RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 146 | जयपुर, गुरूवाड़ा, चित्तौड़गढ़ बुधवार, 25 नवम्बर 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

नाराजगी सुप्रीम कोर्ट बोला-अधिकारी नियम तोड़ने वालों से मिले हुए

देशभर में अवैध निर्माण को नगर निगमों का संरक्षण

भोपाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में बिल्डिंग नियमों के उल्लंघन और इसमें नगर निकायों की भूमिका पर सख्त टिप्पणी की है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने कहा कि कई जगह अधिकारी नियम तोड़ने वालों के साथ मिले हुए हैं। कोर्ट ने सवाल उठाया कि आवासीय इलाकों में होटल, गेमिंग पार्लर, सॉफ्टवेयर कंपनियों और रेस्टोरेंट को मंजूरी कौन दे रहा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा कि बिल्डिंग प्लान पास कराने, निर्माण के दौरान निरीक्षण से बचने और तोड़फोड़ रुकवाने तक किस स्तर पर कितनी कीमत चुकाई जाती है। कोर्ट ने कहा कि कई बार निरीक्षण तब होते हैं, जब इमारतें बन चुकी होती हैं और नियमों का उल्लंघन हो चुका होता है।

भोपाल नगर निगम की सीलिंग रिपोर्ट पर उठ रहे कई सवाल



भोपाल नगर निगम की रिपोर्ट पर भी उठ रहे हैं कई सवाल

भोपाल में याचिकाकर्ताओं के वकील विवेक त्रिपाठी के मुताबिक, सोमवार को नगर निगम ने सीलिंग की कार्रवाई से जुड़ी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की। स्थानीय रहवासियों ने इस रिपोर्ट पर आपत्ति जताई और कार्रवाई में चुनिंदा लोगों को राहत देने का आरोप लगाया। रहवासियों का कहना है कि कुछ परिसरों को सील करने के बाद दोबारा खोल दिया गया। वे इस मामले में जबलपुर हाईकोर्ट में भी जाने की तैयारी कर रहे हैं। विवेक त्रिपाठी के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 6 जनवरी 2027 को होगी।

6 जनवरी से पहले लागू हो सकता है भोपाल का मास्टर प्लान

भोपाल में सीलिंग मामले की सोमवार को हुई सुनवाई के बाद मास्टर प्लान के जल्द लागू होने की संभावना बनी है। एक्सपर्ट के मुताबिक, 10 दिसंबर तक मास्टर प्लान के ड्राफ्ट पर ऑनलाइन और ऑफलाइन तरीके से सुनवाई होगी।

इसके बाद सरकार 6 जनवरी को होने वाली अगली सुनवाई से पहले मास्टर प्लान लागू कर सकती है। ड्राफ्ट में कई सड़कों पर कमर्शियल एक्टिविटी का प्रावधान है। ऐसे में मास्टर प्लान लागू होने पर इन सड़कों के व्यापारियों को राहत मिल सकती है। हालांकि, यह सरकार के फैसले और मास्टर प्लान के अंतिम स्वरूप पर निर्भर करेगा।

सीलिंग के बाद परिसर खोलने पर भी उठा था सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने 22 सितंबर के आदेश में भोपाल में सीलिंग की कार्रवाई को लेकर एमिकस क्यूरी सीनियर एडवोकेट अजीत कुमार सिन्हा की जानकारी दर्ज की थी। उन्होंने बताया था कि कुछ जगहों पर इमारतों को सील करने के बाद कुछ घंटों या दिनों में ही खोल दिया गया, जबकि इस बीच ऐसा कोई घटनाक्रम नहीं हुआ था जिससे सील हटाने का आधार बनता। कोर्ट ने कहा था कि सभी अधिकारियों को बिना भेदभाव कार्रवाई करनी चाहिए। यदि चुनिंदा लोगों के खिलाफ कार्रवाई और दूसरों को छूट देने का मामला सामने आया तो कोर्ट सख्त रुख अपनाएगा। कोर्ट ने आवासीय उपयोग के लिए तय जमीन पर व्यावसायिक गतिविधियां मिलने पर पहले परिसर सील करने और बिना मंजूरी के बने निर्माण पर कानून के मुताबिक सीलिंग या तोड़फोड़ की कार्रवाई के निर्देश भी दिए थे।

बैंक फ्रॉड रोकने स्टॉप स्विच फीचर लाएगा आरबीआई



नई दिल्ली (एजेंसी)। आपके बैंक खाते को साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक नए सुरक्षा नियम ला रहा है। इसके तहत बैंक के एप में स्टॉप स्विच नाम का एक इमरजेंसी बटन मिलेगा। खाता हैक होने का शक होने पर आप एक क्लिक से पैसे निकलना तुरंत रोक सकेंगे। इसके अलावा, आप खुद यह तय कर सकेंगे कि दिनभर में कितना पैसा ट्रांसफर हो और बड़े पेमेंट के लिए घर के किसी भरोसेमंद सदस्य की मंजूरी भी अनिवार्य कर सकेंगे। आरबीआई ने इन नियमों पर 14 दिसंबर 2026 तक सुझाव मांगे हैं, जिन्हें 1 जुलाई 2027 से लागू किया जा सकता है। आरबीआई बड़े पेमेंट को सुरक्षित बनाने के लिए ट्रस्टेड पर्सन फीचर ला रहा है। यह सुविधा पूरी तरह आपकी मर्जी (वैकल्पिक) पर निर्भर करेगी। इसमें आप 18 साल या उससे बड़े किसी भी भरोसेमंद व्यक्ति (जैसे परिवार के सदस्य) को नॉमिनेट कर सकेंगे।

स्कूल बस को ट्रक ने मारी टक्कर 4 बच्चों की मौत

कन्नौज/कौशांबी (एजेंसी)। यूपी के कन्नौज में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूल बस को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 4 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। बस में 50 स्टूडेंट्स समेत 60 लोग सवार थे। सभी आगरा में पिकनिक मनाकर कौशांबी लौट रहे थे। कन्नौज के एसपी विनोद कुमार ने बताया कि बस



कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की थी। बस मंगलवार रात 12 बजे आगरा से रवाना हुई थी। बुधवार सुबह करीब 6 बजे बच्चों को टॉयलेट कराने के लिए ठठिया थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर रोकी गई थी। इसी दौरान यह हादसा हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सीटें उखड़ गईं। कई बच्चे सीटों के बीच फंस गए थे। माना जा रहा है कि ट्रक ड्राइवर को झपकी आने की वजह से हादसा हुआ।

क्रिकेट इतिहास में सूर्यवंशी का 'वैभव'

● युवा बल्लेबाज के नाम विश्व रिकॉर्ड, लगाई सबसे तेज डबल सेंचुरी

196 रन सिर्फ चौके और छक्कों से बनाए, सभी रिकॉर्ड्स चकनाचूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राइजिंग स्टार एशिया कप 2026 में यूएई के खिलाफ 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए के युवा विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट इतिहास की सबसे अविश्वसनीय और विनाशकारी पारी खेल डाली है। अपने तूफानी शतक के बाद भी वैभव के बल्ले की आग शांत नहीं हुई और उन्होंने महज 52 गेंदों में अपना ऐतिहासिक दोहरा शतक ठोक दिया। इस करिश्माई दोहरे शतक के दौरान वैभव ने यूएई के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुए 28 गगनचुंबी छक्के और 7 चौके जड़े यानी 200 में से 196 रन तो केवल चौकों और छक्कों की बारिश से ही बटोर लिए।



150 रन का रिकॉर्ड

शतक पूरा करने के बाद वैभव की रफ्तार और भी खतरनाक हो गई और उन्होंने अगली मात्र 12 गेंदों में अपने 150 रन भी पूरे कर लिए। महज 40 गेंदों में 150 रनों के आंकड़े तक पहुंचकर वैभव ने लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन बनाने का अपना ही पिछला विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया।

28 छक्के उड़ाए वैभव ने

एक ही पारी में 28 गेंदों में शतक, 40 गेंदों में 150 रन और फिर 52 गेंदों में 28 छक्कों की मदद से दोहरा शतक जड़कर वैभव सूर्यवंशी ने विश्व क्रिकेट को स्तब्ध कर दिया है।

कई रिकॉर्ड वैभव के नाम

इस मैराथन और आतिशी पारी के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने हर पड़ाव पर एक नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने सबसे पहले महज 28 गेंदों में अपना सैकड़ा पूरा किया और लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए।



डबल सेंचुरी

महज 52 गेंदों में दोहरा शतक पूरा करके वैभव सूर्यवंशी ने 50 ओवर के क्रिकेट (वनडे और लिस्ट-ए) में सबसे तेज डबल सेंचुरी के सभी पुराने विश्व रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया है। अगर पुरुष वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास पर नजर डालें, तो वहां सबसे तेज दोहरे शतक का रिकॉर्ड इंग्लैंड के हैरी ब्रूक के नाम है, जिन्होंने 22 अक्टूबर 2026 को रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ 114 गेंदों में दोहरा शतक जड़ा था।

पंजाब में 6 साल बाद फिर साथ आए भाजपा-अकाली

● दोनों पर्टियों ने गठबंधन का किया ऐलान मिलकर लड़ेंगे 2027 का चुनाव ● शाह बोले- मुख्यमंत्री अकाली दल का होगा

लुधियाना (एजेंसी)। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल 6 साल बाद फिर साथ आए हैं। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में गृहमंत्री अमित शाह और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में गठबंधन का ऐलान किया। अमित शाह ने कहा- पंजाब में दोनों दल मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। अकाली दल बड़े भाई की भूमिका में रहेगा। चुनाव जीतने के बाद अकाली दल का नेता ही मुख्यमंत्री बनेगा। सीट शेयरिंग पर फैसला अभी नहीं हुआ है। दोनों पार्टियां मिलकर 1997, 2007 और 2012 यानी 3 बार पंजाब में सरकार बना चुकी हैं। कृषि सुधार कानूनों को लेकर सितंबर 2020 में 24 साल बाद दोनों का गठबंधन टूट गया था।



नक्सल के बाद नशा मुक्त पंजाब का ऐलान

साफ है कि गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर निर्णायक कदम उठाए गए हैं। सरकार के अनुसार, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की रणनीतिक कार्रवाई, बुनियादी ढांचे के विकास और आत्मसमर्पण नीतियों के कारण नक्सलवाद की समस्या काफी हद तक सिमट गई है।

भारत-कनाडा में बन गई बात

होगी डिफेंस डील!

● पीएम मोदी के दौरे से पहले चर्चा, मुंह ताकते रह जाएंगे ट्रंप और खालिस्तानी

ओटावा (एजेंसी)। भारत और कनाडा के अधिकारी रक्षा और सूचना सुरक्षा समझौतों पर बातचीत कर रहे हैं। इन समझौतों का ऐलान पीएम नरेंद्र मोदी की दिसंबर के दूसरे हफ्ते में होने वाली कनाडा यात्रा के दौरान किया जा सकता है। इसमें सैन्य सहयोग और गोपनीय जानकारी साझा करने से जुड़े समझौते शामिल हैं। पीएम मोदी का ये दौरा इसलिए अहम है क्योंकि दोनों देशों के रिश्ते बीते कुछ महीनों में उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं। इसमें कनाडा में खालिस्तानियों की गतिविधियां एक बड़ी वजह रही है। द ग्लोब एंड मेल के मुताबिक, 11-12 दिसंबर को मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (फ्री-ट्रेड डील) की घोषणा होने की उम्मीद है।



रक्षा समझौते में क्या-क्या होगा

कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश पटनायक के अनुसार, दोनों देश रक्षा समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इसमें रणनीतिक सहयोग (युद्धपोतों का दौरा), संयुक्त प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, एयरोस्पेस, नौसेना और अंतरिक्ष के क्षेत्र में सैन्य उपकरणों का उत्पादन शामिल होगा। रक्षा सहयोग समझौता ऐसा ढांचा तैयार करेगा, जिसके तहत सरकारें आपस में और निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ मिलकर काम कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि हम अर्ली वार्निंग पर विचार कर रहे हैं।

इंडियन नेवी और कोस्ट गार्ड खरीदेंगे 76 हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल 15 हजार करोड़ रुपए में 76 यूटिलिटी हेलीकॉप्टर खरीदने की योजना बना रहे हैं। इनका इस्तेमाल पुराने चीता और



चेतक हेलीकॉप्टरों की जगह किया जाएगा। प्रस्तावित योजना में नौसेना 51 और तटरक्षक बल 25 हेलीकॉप्टर खरीदेगा। हेलीकॉप्टरों का वजन पांच टन से ज्यादा होगा। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, यह प्रस्ताव जल्द ही रक्षा मंत्रालय की बैठक में चर्चा के लिए आ सकता है।

'सुशासन दिवस' पर बिना कुछ बोले लौटे नीतिश

बिहार अध्यक्ष के गैरहाजिर रहने पर जताई नाराजगी

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के 20 साल के सुशासन के मौके पर जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की ओर से सुशासन दिवस मनाया जा रहा है। इस सिलसिले में जब पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पटना स्थित जेडीयू कार्यालय पहुंचे, तो कार्यकर्ताओं ने गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश कर उनका भव्य स्वागत किया। हालांकि, ऑफिस पहुंचते ही प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा की गैरमौजूदगी देखकर नीतिश का पारा चढ़ गया।



संजय झा के जवाब पर नीतिश ने जताई असहमति

पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिश कुमार के सवाल का जवाब देते हुए संजय झा ने बताया कि उमेश कुशवाहा का कार्यक्रम किसी दूसरे जिले में पहले से निर्धारित है और वो फिलहाल वहीं मौजूद हैं। ये जवाब सुनने के बाद नीतिश कुमार संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि ऐसा कैसे हो सकता है।

राजनीति इनमें से 16 सीटों पर कांग्रेस की जमानत जब्त हुई थी

यूपी में कांग्रेस ने 125 सीटें मांगी, सपा 26 पर तैयार

इमरान मसूद बोले-भीख नहीं मांग रहे, बराबरी चाहिए

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में सपा-कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग में पेंच फंसता नजर आ रहा है। अखिलेश कांग्रेस को यूपी की 403 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 26 सीट देना चाहते हैं। जबकि, कांग्रेस 125 सीट पर अड़ी हुई है। दिल्ली में सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने कहा- मैंने उनको कल 26 सीटें बता दी हैं, जहां से वो (कांग्रेस) अपने उम्मीदवार उतार सकते हैं। सपा सांसद राजीव राय ने भी यही बात दोहराई। कहा- 26 सीटों पर हम चर्चा करेंगे। कांग्रेस को लिस्ट दे दी है। सपा के 26 सीटों के ऑफर पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा- हम किसी से भीख नहीं मांग रहे हैं। यह गठबंधन के लिहाज से ठीक नहीं है। कांग्रेस आज बहुत मजबूत है। 2022 वाली कांग्रेस नहीं रह गई है। फिलहाल, कांग्रेस-



सपा के बीच सीट शेयरिंग को लेकर दूसरे दिन की मीटिंग सांसद प्रमोद तिवारी के घर पर हो रही है। सपा ने जिन 26 सीटों की लिस्ट कांग्रेस को सौंपी है, उसमें 2022 में सिर्फ 2 सीटों पर कांग्रेस जीत पाई थी।

सपा-कांग्रेस के बीच 146 सीटों पर चल रही बातचीत

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी के घर पर सपा-कांग्रेस की बैठक चल रही है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें 146 सीटों पर चर्चा हो रही है। 120 से 125 सीटें वो हैं, जिसकी लिस्ट कांग्रेस ने सोमवार को सपा को सौंपी थी। जबकि 26 सीटें वो हैं, जिसकी लिस्ट सपा ने कांग्रेस को सौंपी है। पहले कहा जा रहा था कि बैठक कल यानी बुधवार को भी होगी। लेकिन, अब बताया जा रहा है कि यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा के घर पारिवारिक कार्यक्रम है। वहीं, सपा 26 नवंबर को घोषणा पत्र का ऐलान कर रही है। उसी दिन लखनऊ में कांग्रेस पैदल मार्च निकाल रही है, इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे।

कांग्रेस का तर्क- 2022 के नतीजे पैमाना नहीं हो सकते

कांग्रेस का तर्क है कि 2022 के नतीजे ही उसकी मौजूदा ताकत का पैमाना नहीं हो सकते। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन के प्रदर्शन और कांग्रेस के मौजूदा सांसदों के प्रभाव वाले क्षेत्रों को भी सीट बंटवारे में महत्व मिलना चाहिए। सपा ने कांग्रेस को जिन 26 सीटों की सूची सौंपी है। वहां 2022 में कांग्रेस का प्रदर्शन कमजोर रहा था। कांग्रेस सिर्फ प्रतापगढ़ की रामपुर खास और महाराजगंज की फरेंदा की सीट ही जीत पाई थी। रामपुर खास से आराधना मिश्रा मोना और फरेंदा से वीरेंद्र चौधरी जीते थे।

देश को बदनाम करने से नहीं चमकेगी राजनीति

राहुल गांधी पर भाजपा का वार, कहा-जनता कभी नहीं करेगी स्वीकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका दौरे के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था और चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भाजपा ने जोरदार हमला बोला है। भाजपा का कहना है कि राहुल गांधी भले ही विदेश जाकर अपनी राजनीति को दोबारा चमकाने की कोशिश करें, लेकिन देश के खिलाफ नकारात्मक बातें करने वाले नेता को जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। राहुल के अमेरिका में दिए गए बयान को लेकर देश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदीप भंडारी ने भारत की आर्थिक और वैश्विक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार मजबूत हो रहा है।



वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

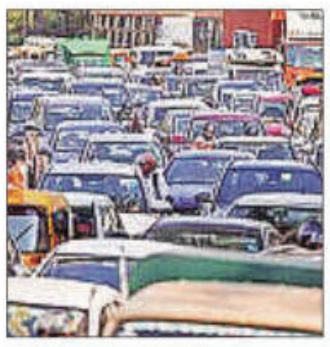
दिल्ली-एनसीआर में 23.6 लाख से अधिक पुराने वाहन चल रहे

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि पूरे दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर 23.6 लाख से अधिक मियाद पूरी कर चुके (एंड-आफ-लाइफ) वाहन चल रहे हैं। ऐसा वाहन, जिसका पंजीकरण या सार्वजनिक सड़कों पर संचालन उसकी निर्धारित आयु सीमा पूरी होने, फिटनेस जांच में विफल रहने, पंजीकरण रद्द होने, गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने या मालिक द्वारा स्वेच्छा से उसे सौंप दिए जाने के कारण कानूनी रूप से संभव न हो, मियाद पूरी कर चुका (एंड-आफ-लाइफ) वाहन कहलाता है।

शीर्ष अदालत में दायर अपने हलफनामे में सीएक्यूएम ने कहा कि दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में दर्ज कुल 25.4 लाख पुरानी (ओवरएज) गाड़ियों में से केवल 1.85 लाख वाहनों को ही स्क्रैप (कबाड़) किया गया है या अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया गया है। यह हलफनामा वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले नियामक ढांचे की जांच कर रहे एक स्वतः संज्ञान मामले में प्रस्तुत किया गया था।

सीएक्यूएम ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में कुल वाहनों की संख्या में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 65.2 फीसद है, जबकि चार पहिया हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) 28.9 फीसद हैं। आयोग ने अदालत को बताया कि भारत स्टेज-6 (बीएस-6) मानकों के अनुरूप वाहनों की तुलना में पुराने वाहन काफी अधिक मात्रा में प्रदूषक उत्सर्जित करते हैं। प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों का विवरण देते हुए सीएक्यूएम ने न्यायालय को सूचित किया कि उसने 1 नवंबर, 2026 से केवल सीएनजी, इलेक्ट्रिक या बीएस-6 डीजल अंतर-राज्यीय बसों को ही दिल्ली में प्रवेश की अनुमति देने का निर्देश दिया है, जिसमें अखिल भारतीय पर्यटक परमिट के तहत चलने वाली बसें भी शामिल हैं। इसी तरह, लागू छूटों के अधीन, 1 नवंबर, 2026 से बीएस-6, सीएनजी, एलएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के अलावा अन्य वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों के दिल्ली में प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राजधानी दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर एक बड़ी टिप्पणी की थी। कोर्ट ने संकेत दिए हैं कि वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए केवल बीएस-6 मानकों वाले वाहनों को चलाने की अनुमति देने पर विचार किया जा सकता है। अदालत का उद्देश्य राजधानी में लगातार बिगड़ती हवा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्रभावी कदम उठाना है।



ऐसा वाहन, जिसका पंजीकरण या सार्वजनिक सड़कों पर संचालन उसकी निर्धारित आयु सीमा पूरी होने, फिटनेस जांच में विफल रहने, पंजीकरण रद्द होने, गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने या मालिक द्वारा स्वेच्छा से उसे सौंप दिए जाने के कारण कानूनी रूप से संभव न हो, मियाद पूरी कर चुका (एंड-आफ-लाइफ) वाहन कहलाता है।

अनदेखी

व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाने का सुझाव

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली में प्रवेश करने वाले व्यावसायिक वाहनों पर पूरी तरह रोक लगाने का सुझाव भी दिया। सीजेआइ सूर्यकांत ने कहा कि दिल्ली में व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश को रोकने के लिए ऐसी व्यवस्था तैयार की जा सकती है, जिससे लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों पर असर न पड़े। सब्जियां, फल और दैनिक इस्तेमाल की दूसरी वस्तुओं की आपूर्ति का वैकल्पिक तरीका सुनिश्चित करना जरूरी होगा।

पंजाब में सिद्धांतों की दरार पर सियासत का पलस्तर

चंडीगढ़ के नगर निगम चुनाव की बिसात पर 35 वार्ड हैं, लेकिन राजनीतिक हलचल का विस्तार पंजाब की 2027 की विधानसभा तक पहुंच गया है। छह साल की दूरी के बाद भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल ने फिर हाथ मिला लिया है। मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में गठबंधन की घोषणा हुई। दोनों दल पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेंगे। अकाली दल गठबंधन में बड़े साझेदार की भूमिका निभाएगा। इस वापसी को केवल चुनावी गणित नहीं, बल्कि पंजाब की राजनीति में पुराने समीकरणों की पुनर्स्थापना के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है।

इस साझेदारी की सबसे बड़ी चुनौती अतीत की स्मृतियां हैं। सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों के विरोध में अकाली दल ने भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। करीब 24 साल पुराने रिश्ते का टूटना महज राजनीतिक फैसला नहीं था। पंजाब में किसान आंदोलन ने इसे सामाजिक और राजनीतिक अस्मिता से जोड़ दिया था। कानून वापस हो चुके हैं, लेकिन आंदोलन के दौरान पैदा हुआ अविश्वास कितनी दूर तक समाप्त हुआ है, इसका जवाब चुनावी मैदान में मिलेगा।

दूसरी चुनौती चंडीगढ़ को लेकर है। नवंबर 2025 में केंद्र के स्तर पर संविधान के अनुच्छेद 240 के दायरे में चंडीगढ़ को लाने संबंधी प्रस्ताव की चर्चा ने पंजाब में राजनीतिक विवाद पैदा किया था। सुखबीर सिंह बादल ने इसे पंजाब के अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताया था। हालांकि केंद्र की ओर से प्रस्ताव को विचाराधीन बताते हुए तत्काल विधायी कदम की योजना से इनकार किया गया था। चंडीगढ़ पर पंजाब का दावा और केंद्रशासित प्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था दोनों दलों के लिए संवेदनशील विषय हैं। गठबंधन के बाद इस मुद्दे पर साझा राजनीतिक रुख कितना स्पष्ट होता है, यह देखना महत्त्वपूर्ण होगा।

दोनों दलों की चुनावी जरूरतें भी इस पुनर्मिलन का आधार हैं। 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 92 सीटें जीतकर सत्ता हासिल की थी। अकाली दल को तीन और भाजपा को महज दो सीटें मिली थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अकाली दल को बठिंडा में जीत मिली, जबकि भाजपा पंजाब में खाता नहीं खोल सकी।

गठबंधन की चर्चा के दौरान शिअद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा दलजीत सिंह चीमा ने 'जनसत्ता' से कहा था कि पंजाब और किसानों का हित उनकी पार्टी के लिए सर्वोपरि है। उन्होंने चंडीगढ़, पंजाब और किसानों के हितों को किसी भी परिस्थिति में दरकिनार नहीं करने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि पंजाब की अस्मिता और किसानों के सम्मान की रक्षा करना इस गठबंधन का मूल उद्देश्य है। विधानसभा चुनाव के बाद पंजाब में अकाली-भाजपा की सरकार बनेगी।

दूसरी ओर, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ पहले से ही गठबंधन की वकालत कर रहे थे, जबकि राज्य में पार्टी के कुछ नेता इसके विरुद्ध थे। खुद प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों भी राज्य में अकेले चुनाव लड़ने की बात कह चुके हैं। अब दोनों दलों में रिश्ता जुड़ने पर सुनील जाखड़ ने खुशी जाहिर की है। जबकि केंद्रीय मंत्री और पंजाब में भाजपा के चुनावी रणनीतिकार सीआर पाटिल ने 'जनसत्ता' से कहा कि इस गठबंधन का प्रदर्शन शानदार होगा और पंजाब में भाजपा-अकाली की सरकार बनेगी।



छह साल पहले किसान आंदोलन के सवाल पर टूटा भाजपा-अकाली का रिश्ता अब 2027 की सत्ता की उम्मीद में फिर जुड़ा है। मगर चंडीगढ़ पर अधिकार, किसानों के बीच भरोसा और कार्यकर्ताओं की स्वीकार्यता ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब केवल गठबंधन की घोषणा से नहीं मिलेगा।

राजनीति

गुरु नानक जयंती



मंगलवार को नई दिल्ली के गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने प्रार्थना की।

वंदे भारत के बाद बुलेट ट्रेन के निर्यात की तैयारी में रेलवे

भारतीय रेलवे देश में उच्च गति ट्रेनें को चलाने के साथ वैश्विक रेल बाजार में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है। रेलवे ने वंदे भारत के बाद अब बुलेट ट्रेन तकनीक और उससे जुड़ी स्वदेशी प्रणालियों के निर्यात को लेकर रणनीति बनानी शुरू कर दी है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का दावा है कि भारत अपनी तकनीकी क्षमता का विस्तार कर रहा है। आने वाले समय में स्वदेशी उच्च गति वाली ट्रेनों का निर्यात भी कर सकेगा। मुंबई-अहमदाबाद उच्च गति रेल परियोजना के लिए तैयार की जा रही ट्रेन को लेकर रेल मंत्री का दावा है कि इसकी रचना, तकनीक और प्लेटफार्म में भारतीय क्षमता का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह केवल विदेश से तकनीक लेकर ट्रेन तैयार करने की परियोजना नहीं है, बल्कि भारत की अपनी उच्च गति रेल निर्माण क्षमता विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम है। जापान के साथ तकनीकी सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर काम किया जा रहा है।

रेलवे का लक्ष्य है कि इस अनुभव और तकनीकी क्षमता के आधार पर भविष्य में भारत अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी पहचान बनाए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 240 किमी प्रति घंटे से अधिक गति से चलने वाली ट्रेनों को उच्च गति वाली ट्रेन की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसी ट्रेनों के निर्माण, सुरक्षा, संचालन और तकनीकी प्रदर्शन के लिए बेहद कड़े मानक निर्धारित हैं। भारत अपनी बुलेट ट्रेन को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए केवल ट्रेन की गति ही नहीं, बल्कि उसकी सुरक्षा प्रणाली, संचार व्यवस्था, नियंत्रण प्रणाली और प्रोपल्शन तकनीक को भी उच्च स्तर पर विकसित किया जा रहा है।

40 देशों तक पहुंचा भारतीय रेल तकनीक का कारोबार : मंत्री का दावा है कि भारत अब प्रोपल्शन सिस्टम और रेलवे उपकरणों का निर्यात लगभग 40 देशों में कर रहा है। इनमें स्विट्जरलैंड, जर्मनी, फ्रांस, इटली, पोलैंड, जापान सहित दूसरे विकसित देश शामिल हैं। वहीं रेलवे अधिकारी की माने तो गुजरात के वडोदरा स्थित मनेजा इकाई सहित देश की विभिन्न विनिर्माण इकाइयों में आधुनिक प्रोपल्शन सिस्टम तैयार किए जा रहे हैं। इनका इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय रेल परियोजनाओं में किया जा रहा है।

रणनीति

राजमार्गों पर हल्के वाहनों के रास्ते जल्द हो सकेंगे तैयार

देश में राजमार्ग पर हल्के वाहनों को रास्ता देने के लिए एक समान माडल प्रयोग होंगे। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) जल्द ही इस व्यवस्था को दो से आठ लेन के सभी राजामार्ग और एक्सप्रेसवे के लिए प्रयाग करेगी। सामान्यतौर पर ये माडल हल्के वाहनों के लिए भूमिगत पार (अंडरपास) के लिए प्रयोग किए जाएंगे। दावा किया जा रहा है कि नई व्यवस्था से जहां एक ओर आम जनता के लिए तेजी से एक मार्ग से दूसरे मार्ग तक जाने की राह तेजी से आसान होगी, वहीं दूसरी ओर एजंसियां भी मानक माडल तैयार हो जाने के बाद योजना पर आने वाले खर्च को कम कर सकेंगी।

प्रस्ताव के अनुसार सभी मानक डिजाइनों की जांच व सत्यापन में अनुभव रखने वाले भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आइआइटी) द्वारा की जाएगी। वर्तमान में इन निर्माण के लिए प्रत्येक राजमार्ग परियोजना के लिए अलग-अलग प्रारूप (डिजाइन) तैयार किया जाता है इसलिए, सलाहकार या ठेकेदार प्रत्येक परियोजना के लिए अलग-अलग डिजाइन गणना करते हैं, रेखाचित्र तैयार करते हैं और अनुमोदन प्राप्त करते हैं, भले ही संरचनाओं के आयाम और कार्यात्मक आवश्यकताएं समान हों। प्राधिकरण ने मानक डिजाइन और रेखाचित्र विकसित करने पर काम शुरू कर दिया है, जिसके लिए वह एक निजी सलाहकार की मदद ले सकता है। ज्ञात हो कि ऐसी ही पहल एनएचएआइ पहले ही पुलों के ऊपरी ढांचों के निर्माण में शुरू कर चुका है और इस प्रकिया का ही विस्तार आगे बढ़ाया गया है। नई श्रेणी में राजमार्ग के नीचे निर्मित लम्बे भूमिगत पार (ग्रेड-सेपरेटेड क्रासिंग) हैं, जिनका उद्देश्य मुख्य राजमार्ग यातायात को बाधित किए बिना हल्के मोटर वाहनों, सेवा यातायात, स्थानीय पहुंच मार्गों या कृषि उपकरणों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करना है। ये एक आयताकार या वर्गाकार, चार-पक्षीय प्रबलित कंक्रीट संरचना है, जिसका निर्माण सड़कों, रेलवे या तटबंधों के नीचे पानी, उपयोगिताओं या कम ऊंचाई वाले रास्तों के लिए किया जाता है।

अधिकारियों के मुताबिक प्रस्तावित मानकीकरण से काम के दोहराव की समस्या का समाधान होगा और पूर्व-अनुमोदित मानक डिजाइनों और रेखाचित्रों को अपनाने से डिजाइन तैयार करने, उसकी जांच और अनुमोदन में लगने वाला समय कम हो जाएगा। इस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने से अंडरपास और पुलियों के निर्माण में होने वाली देरी कम होगी। इस पहल से मानक डिजाइन और रेखाचित्र विकसित किए जाने चाहिए ताकि संरचनात्मक रूप से अनुकूलित समाधान प्रदान किए जा सकें जिन्हें सीधे साइट पर अपनाया जा सके।

इस पहल से डिजाइन और अनुमोदन में लगने वाले समय को कम किया जा सकेगा, एकसमान गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके और इस प्रकार, समग्र परियोजना लागत में बचत की जा सकेगी विस्तृत संरचनात्मक डिजाइन सभी प्रासंगिक भारतीय सड़क कांग्रेस (आइआरसी) और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) कोड, बीआइएस कोड और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) के विनिर्देशों के अनुरूप किया जाएगा। संरचनात्मक रूप से अनुकूलित डिजाइन कंक्रीट और स्टील के अत्यधिक उपयोग से बचने में मदद करेंगे और सामग्री की बर्बादी को कम कर सकते हैं इससे अंततः निर्माण लागत कम होगी।

योजना

राजमार्ग पर रास्ता देने के लिए नए माडल प्रयोग करने जा रहा है एनएसएआइ

सभी मानक डिजाइनों की जांच व सत्यापन का जिम्मा आइआइटी के पास होगा

मार्ग की क्षमता के हिसाब से तीन श्रेणियों में तैयार किए गए है विशेष माडल

एक चरण में पहले भी निर्माण संबंधित प्रक्रिया को आसान बना चुका है मंत्रालय

भूस्खलन चेतावनी का दायरा बढ़ा, पर गांवों तक पहुंच का हिसाब नहीं

देश के पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन के खतरे से निपटने के लिए सरकार पूर्वानुमान और चेतावनी प्रणाली का विस्तार कर रही है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआइ) आठ राज्यों के 21 जिलों में भूस्खलन पूर्वानुमान बुलेटिन जारी करने की व्यवस्था विकसित कर चुका है। वहीं, देश के करीब 4.3 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की भूस्खलन संवेदनशीलता की मैपिंग भी पूरी की जा चुकी है। इसके बावजूद एक अहम सवाल का जवाब अब तक स्पष्ट नहीं है कि आखिर कितने संवेदनशील गांवों और वहां रहने वाले लोगों तक समय रहते भूस्खलन की चेतावनी पहुंच रही है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की ओर से एक अप्रैल 2026 को लोकसभा में लिखित प्रश्न के जवाब में बताया गया कि जीएसआइ आठ राज्यों के 21 जिलों में भूस्खलन पूर्वानुमान बुलेटिन जारी कर रहा है। इन बुलेटिन के जरिए अगले 48 घंटे में भूस्खलन की आशंका का आकलन किया जाता है। पूर्वानुमान तहसील या सब डिवीजन स्तर पर जारी किए जाते हैं। इसमें बारिश के आंकड़ों, ऐतिहासिक भूस्खलन की घटनाओं और मौसम संबंधी पूर्वानुमान का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, इन 21 जिलों के कितने गांवों तक सीधे चेतावनी पहुंच रही है, इसका अलग से कोई राष्ट्रीय आंकड़ा सामने नहीं आया है।

भूस्खलन पूर्वानुमान प्रणाली की प्रभावशीलता को लेकर भी सरकार ने आंकड़े साझा किए हैं। 17 दिसंबर 2025 को लोकसभा में लिखित प्रश्न के उत्तर में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने बताया था कि चार आपरेशनल जिलों के फोरकास्टिंग जोन में पूर्वानुमान माडल का हिट रेट 80 फीसद से अधिक रहा। इनमें दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, नीलगिरि और रुद्रप्रयाग शामिल थे। हालांकि, यह आंकड़ा चार जिलों के फोरकास्टिंग जोन का है। इसे देशभर के सभी संवेदनशील क्षेत्रों या गांवों में चेतावनी की सफलता का पैमाना नहीं माना जा सकता।

भूस्खलन के खतरे की पहचान के लिए सरकार ने बड़े स्तर पर मैपिंग और डेटा संग्रह का काम भी किया है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक देश में करीब 4.3 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की भूस्खलन संवेदनशीलता मैपिंग पूरी हो चुकी है। इसके अलावा करीब 91 हजार ऐतिहासिक भूस्खलनों का डेटाबेस तैयार किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि कोलकाता स्थित राष्ट्रीय भूस्खलन पूर्वानुमान केंद्र की गतिविधियां 20 जिलों तक पहुंच चुकी हैं। सरकार ने 15 राज्यों के लिए एक हजार करोड़ रुपए की राष्ट्रीय भूस्खलन शमन परियोजना को भी मंजूरी दी है।

देश में 21 जिलों का आंकड़ा जीएसआइ की आपरेशनल और प्रयोगात्मक पूर्वानुमान व्यवस्था से जुड़ा है, जबकि 20 जिलों का आंकड़ा राष्ट्रीय भूस्खलन पूर्वानुमान केंद्र की गतिविधियों का है। दोनों का संदर्भ अलग है। जीएसआइ ने भूस्खलन से जुड़ी जानकारी और पूर्वानुमान उपलब्ध कराने के लिए 'भू-संकेत' पोर्टल और 'भूस्खलन' मोबाइल एप जैसे डिजिटल माध्यम विकसित किए हैं। हालांकि, इन सुविधाओं के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि हर संवेदनशील गांव तक चेतावनी पहुंच रही है। जीएसआइ के आधिकारिक पोर्टल पर 31 अक्तूबर 2026 से दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और रुद्रप्रयाग के दैनिक पूर्वानुमान बुलेटिन अस्थायी रूप से बंद किए जाने की सूचना भी दर्ज है। भूस्खलन पूर्व चेतावनी की दिशा में आइआइटी मंडी जैसे संस्थान भी तकनीकी समाधान विकसित कर रहे हैं। अगस्त 2026 में प्रकाशित मीडिया रिपोर्टों में हिमालयी क्षेत्रों के लिए आइआइटी मंडी के प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की जानकारी दी गई थी। लेकिन ऐसी तकनीकों की वास्तविक जमीनी पहुंच, संचालन वाले गांवों की संख्या और चेतावनी की सटीकता का विस्तृत आंकड़ा भी जरूरी है।

आठ राज्यों के 21 जिलों में पूर्वानुमान बुलेटिन जारी करने की व्यवस्था, 4.3 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र की मैपिंग पूरी, फिर भी गांवों तक चेतावनी की पहुंच पर सवाल



सात दिसंबर 2025 को लोकसभा में लिखित प्रश्न के उत्तर में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने बताया था कि चार आपरेशनल जिलों के फोरकास्टिंग जोन में पूर्वानुमान माडल का हिट रेट 80 फीसद से अधिक रहा। इनमें दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, नीलगिरि और रुद्रप्रयाग शामिल थे।

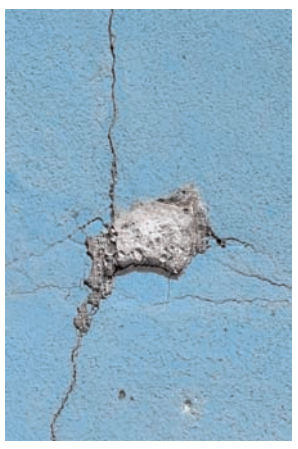
विस्तार

1.50 करोड़ के स्केटिंग ट्रैक की 9 महीने में उखड़ने लगी परतें, दरारों और गड्ढों से बच्चों की सुरक्षा पर सवाल

अभिभावकों ने राष्ट्रीय स्तर की स्वतंत्र तकनीकी एजेंसी से जांच कराने की मांग की, ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की उठाई आवाज...

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर में करीब 1.50 करोड़ रुपये की लागत से बने 200 मीटर के इंटरनेशनल स्टैंडर्ड स्केटिंग ट्रैक की निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। उद्घाटन के कुछ ही महीनों बाद ट्रैक की सतह की परतें उखड़ने लगी हैं। जगह-जगह दरारें और गड्ढे होने के साथ कुछ हिस्सों में सतह दबने लगी है। इससे यहां अभ्यास करने वाले बच्चों और खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों ने चिंता जताई है। जानकारी के अनुसार, नगर विकास न्यास (UIT) ने अप्रैल 2025 में ट्रैक निर्माण का टेंडर जारी किया था। मार्च 2026 में सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक अशोक कोठारी और भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने इसका उद्घाटन किया था। लेकिन इतनी कम अवधि में ट्रैक की खराब होती स्थिति ने निर्माण





गुणवत्ता और तकनीकी निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अभिभावकों का कहना है कि स्केटिंग के दौरान खिलाड़ी तेज गति से अभ्यास करते हैं। ऐसे में उखड़ी सतह, दरारें और गड्ढे दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन हुआ या नहीं तथा बेस, बिटुमिनस लेयर और सरफेस कोटिंग की गुणवत्ता की जांच की गई थी या नहीं। अभिभावकों ने ठेकेदार की ओर से प्रस्तुत सभी टेस्ट रिपोर्ट, निर्माण सामग्री के नमूनों और संबंधित लैब की NABL मान्यता का सत्यापन करवाने की मांग की है। साथ ही ठेकेदार के डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड (DLP) के तहत जिम्मेदारी तय करने और निर्माण की निगरानी करने वाले अधिकारियों की भूमिका की भी जांच करने की बात कही है।

संचालन के MOU पर भी उठे सवाल

ट्रैक के संचालन और रखरखाव को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं होने पर सवाल उठाए गए हैं। नगर विकास न्यास की ओर से संचालन के लिए श्धहद्द जारी की गई थी, लेकिन अभिभावकों के अनुसार अब तक MOU की स्थिति स्पष्ट नहीं है। ऐसे में सवाल है कि पिछले करीब नौ महीनों से ट्रैक का संचालन कौन कर रहा है और बच्चों की सुरक्षा व रखरखाव की जिम्मेदारी किसके पास है।

स्वतंत्र एजेंसी से जांच की मांग

अभिभावकों ने खेल विभाग के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर की स्वतंत्र तकनीकी एजेंसी से ट्रैक की जांच करवाने की मांग की है। इसमें निर्माण की सभी परतों की मोटाई, सामग्री की गुणवत्ता, कोर कटिंग, टेस्ट रिपोर्ट, स्वीकृत DPR और अंतरराष्ट्रीय तकनीकी मानकों के अनुसार निर्माण का परीक्षण शामिल करने की मांग की गई है। उन्होंने निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार के सत्ताधारी राजनीतिक दल में पदाधिकारी होने की चर्चा का भी उल्लेख करते हुए कहा कि यदि यह जानकारी सही है तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अभिभावकों ने स्पष्ट किया कि किसी पर बिना जांच आरोप लगाना उद्देश्य नहीं है, लेकिन सरकारी धन से बने खेल परिसर में गुणवत्ता से समझौता पाए जाने पर ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए। अभिभावकों की मांग है कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और ट्रैक को निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षित बनाने के बाद ही बच्चों का अभ्यास संचालित किया जाए। उनका कहना है कि बच्चों के भविष्य और सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

काछोला मे कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई

देव दीपावली, सरोवरों पर उमड़ी महिलाओं की भीड़

स्मार्ट हलचल

काछोला कस्बे सहित खेराड़ क्षेत्र में मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली का पावन पर्व पारंपरिक रीति-रिवाज और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही क्षेत्र के सरोवरों और जलाशयों पर महिलाओं की चहल-पहल देखने को मिली। महिलाओं ने प्रातःकाल उठकर सरोवरों में स्नान किया तथा सूर्यदेव को अर्घ्य देकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। काछोला कस्बे सहित आसपास के गांवों की महिलाओं ने त्रिवेणी संगम पर पहुंचकर पवित्र स्नान किया। वहीं कस्बे की महिलाओं ने प्रताप सागर तालाब में स्नान कर धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया। इस दौरान महिलाओं ने सरोवरों के किनारे मंगल गीत गाए और भजन-कीर्तन कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर क्षेत्र में दिनभर धार्मिक उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना रहा। काछोला फोटो कैप्शन -महिलाओं ने मंगल गीत गाकर किया स्नान, सूर्यदेव की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना



सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का हुआ समापन...

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ इंद्रपुरा स्थित श्री तिलस्वा नाथ गौशाला परिसर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का मंगलवार को हवन-पूजन और पूर्णाहुति के साथ विधिवत समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नकारात्मकता से दूर रहने का आह्वान

समापन अवसर पर कथावाचक गुरुदेव हरिओम बनेट ने उपस्थित जनसमूह को जीवन की सार्थकता और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में किसी की बुराई नहीं करनी चाहिए, किसी की बुराई नहीं सुननी चाहिए और किसी के प्रति बुरा नहीं सोचना चाहिए। गुरुदेव ने कहा कि शुद्ध विचार, वाणी और श्रवण ही व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। जब हम दूसरों की कमियां देखने और बुराई करने के बजाय अपने भीतर झांकते हैं, तब समाज और परिवार में सद्भाव तथा शांति का वातावरण बनता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि कथा के दौरान सुनी



गई शिक्षाओं को केवल श्रवण तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने दैनिक आचरण में उतारें।

गौसेवा और धार्मिक आस्था का संगम

श्री तिलस्वा नाथ गौशाला में हुए इस सात दिवसीय आयोजन के दौरान प्रतिदिन भागवत कथा के प्रसंगों का रसपान कराया गया। कथा के समापन पर पूर्णाहुति में श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और गौमाता की सेवा के निरंतर विस्तार की कामना की। आयोजन के दौरान गौशाला समिति के पदाधिकारियों, ग्रामवासियों और भक्तों ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। इस दौरान गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने के लिए भागवत कथा के दौरान हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। गौशाला अध्यक्ष सुगन लाल धाकड़ ने बताया कि 'अभी नहीं तो कभी नहीं' के संकल्प के साथ आगामी 17 दिसंबर को 'गो सम्मान दिवस' मनाया जाएगा। इस दिन देश के सभी 36 राज्यों में एक साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक...सड़क हादसों के हॉटस्पॉट पर प्रशासन का एक्शन प्लान

कलक्टर संधू ने दिए 15 दिन में संयुक्त निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश, जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम के तहत बनेगी कार्ययोजना

जिले के 137 दुर्घटना संभावित स्थलों पर होगा सुधार, 32 ब्लैक स्पॉट पर विशेष फोकस

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। सड़क हादसों में होने वाली मौतों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन अब दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुधार की मुहिम चलाएगा। जिले के 137 दुर्घटना संभावित स्थलों के साथ राष्ट्रीय राजमार्गों के 23 और शहरी क्षेत्र के 9 ब्लैक स्पॉट पर स्थायी सुधार किए जाएंगे। इसके लिए संबंधित विभागों की संयुक्त टीमें मौके पर निरीक्षण कर हादसों के कारणों की पहचान करेंगी और 15 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जिला स्तरीय कार्ययोजना तैयार की जाए। सभी संबंधित विभागों के प्रभारी अधिकारी नियुक्त कर संयुक्त निरीक्षण और नियमित समीक्षा बैठक



की जाए। सेव लाइफ फाउंडेशन की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर दुर्घटना स्थलों पर आवश्यक सुधार कार्य भी करवाए जाएं। बैठक में सेव लाइफ फाउंडेशन नई दिल्ली के सदस्य गौतम पठारे ने जिले में जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम के तहत प्रस्तावित कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया। इसमें दुर्घटनाओं में मृत्यु रोकने के लिए संवेदनशील स्थलों की पहचान, सड़क इंजीनियरिंग में सुधार और विभागीय समन्वय पर जोर दिया गया। कलक्टर ने पीएम राहत योजना और गुड समेरिटन योजना का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करने तथा 137 दुर्घटना संभावित स्थलों पर बैनर-पोस्टर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने ई-डार पोर्टल पर दुर्घटनाओं के आंकड़े समय-समय पर अपडेट करने, मार्गदर्शक पोर्टल पर सही जानकारी दर्ज करने और इसके लिए विभागवार कैलेंडर तैयार करने को कहा। सर्विस रोड से मुख्य सड़क पर आने वाले वाहनों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए भी विशेष उपाय करने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क सुरक्षा मित्र योजना के तहत अधिक से अधिक लोगों का पंजीयन कराने और आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया।

कोटड़ी सरपंच चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे जगदीश चंद्र रेगर को मिला 3,05,100 रुपये का आर्थिक सहयोग

समोडी में सराहनीय पहल

श्री बाबा रामदेव सेवा समिति व रेगर समाज के साथियों ने एकजुटता से जुटाई सहयोग राशि; 905 मत हासिल कर दिया था कड़ा मुकाबला, समिति पदाधिकारियों व समाजजनों ने बढ़ाया हौसला

स्मार्ट हलचल

समोडी/कोटड़ी । समोडी क्षेत्र में सामाजिक एकजुटता और आपसी सहयोग की एक सराहनीय पहल सामने आई है। हाल ही में संपन्न पंचायती राज चुनाव के तहत नवसृजित ग्राम पंचायत कोटड़ी से सरपंच पद का चुनाव लड़े समोडी निवासी जगदीश चंद्र रेगर को श्री बाबा रामदेव सेवा समिति समोडी और रेगर समाज के साथियों ने 3,05,100 रुपये (तीन लाख पांच हजार एक सौ रुपये) की आर्थिक सहयोग राशि प्रदान की है। 905 मतों के साथ रहे दूसरे स्थान पर, छवि और समर्पण को मिला सम्मान चुनाव में जगदीश चंद्र रेगर ने सरपंच पद के लिए पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरते हुए संघर्षपूर्ण मुकाबला किया और 905 मत प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे। उनकी स्वच्छ छवि, मिलनसार व्यवहार और समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए रेगर समाज के साथियों ने आर्थिक सहयोग जुटाने का निर्णय लिया। सभी समाजजनों के सहयोग से एकत्र की गई 3,05,100 रुपये की राशि उन्हें सम्मानपूर्वक भेंट की गई। आर्थिक सहयोग प्रदान करने के इस अवसर पर नवनिर्वाचित वार्ड पंच तोलाराम रेगर के साथ श्री बाबा रामदेव सेवा समिति के संरक्षक चन्द्रलाल, अध्यक्ष लादू लाल, सचिव प्रेम कुमार, कोषाध्यक्ष रमेश चंद्र एवं कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने जगदीश चंद्र रेगर के समाज के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



भीलवाड़ा साइकिल क्लब के सदस्यों ने गुरुद्वारा साहिब में अरदास कर स्व. सुरेश बम्ब को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा साइकिल क्लब के सक्रिय एवं वरिष्ठ सदस्य स्व. सुरेश बंब के आकस्मिक निधन पर क्लब के सदस्यों ने आज श्री गुरुनानक देव जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर स्थानीय सिन्धु नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सभा में एकत्रित होकर सामूहिक अरदास की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। साइकिल क्लब प्रभारी अरुण संतोष मुछाल ने बताया कि स्व. सुरेश बम्ब साइकिल क्लब अभियान के प्रमुख स्तंभ थे। साइकिल क्लब को वर्तमान ऊँचाइयों तक पहुँचाने तथा शहर में साइकिलिंग व स्वास्थ्य जागरूकता की अलख जगाने में उनका अमूल्य और अविस्मरणीय योगदान रहा है। वे प्रत्येक रैली एवं सामाजिक सरोकार के कार्यों में सदैव अग्रणी रहकर सभी का उत्साहवर्धन करते थे। गुरुद्वारा साहिब में गुरुवाणी कीर्तन एवं अरदास के माध्यम से परमपिता परमेश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल बम्ब परिवार को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई। अरदास के पश्चात सभी सदस्य शास्त्री नगर स्थित अहिंसा भवन पहुँचे, जहाँ उठावने की सभा में शामिल होकर परिवारजनों को संबल प्रदान किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में गौरव नागपाल, इकबाल सिंह, अरुण संतोष मुछाल, गोवर्धन सिंह कावड़िया, डॉ. हेमेंद्र कौशिक, गजानंद गुप्ता, यश झुरानी, दिनेश भट्ट, आशुतोष आचार्य, राजकुमार अजमेरा, राकेश सक्सेना, सत्यनारायण राठी, भेरुलाल सुवालका, रतन लाल छीपा, आर. एस. चंदेल, सोम शर्मा सहित भीलवाड़ा साइकिल क्लब के अनेक सदस्यगण उपस्थित रहे।



अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने जिला शिक्षा अधिकारी से की वार्ता

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के एक दल ने जिला शिक्षा अधिकारी से शिक्षक समस्याओं के संबंध में वार्ता की। जिला मंत्री निर्भय राम धाकड़ ने बताया कि प्रदेश उपाध्यक्ष पूरणमल लोहार एवं संभाग संयुक्त मंत्री तेजपाल सिंह शक्तावत के नेतृत्व में एक दल जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम गोड से मिला एवं जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक में बाकी पड़े प्रबोधकों एवं शिक्षकों के पेडिंग एसीपी प्रकरण एवं मिड डे मील संबंधी समस्याओं को लेकर मुलाकात की इस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने समस्याओं को शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया इस अवसर पर अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी सतीश दशोरा भी उपस्थित रहे संगठन ने सात दिवस में समस्याओं का समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी । इस अवसर पर अतिरिक्त जिला मंत्री राजेंद्र गगरानी जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष भंवर सिंह गौड़ उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह सिसोदिया जिला संगठन मंत्री जोगेंद्र सिंह राणावत डूंगला ब्लॉक के अध्यक्ष गोवर्धन लाल शर्मा मंत्री सुरेश लोहार इंद्रजीत वैष्णव भदेसर ब्लॉक के दिनमान वशिष्ठ बाबूलाल पोरवाल द चित्तौड़ ब्लॉक के देवकीनंदन वैष्णव उपस्थित रहे।

चित्तौड़गढ़ में विहिप का 'हितचिंतक अभियान' गति पकड़ेगा, हर वर्ग को जोड़ने की बनी रणनीति

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) की आगामी 'हितचिंतक अभियान' की तैयारियों और कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार को नगर अध्यक्ष बालमुकुंद सोमानी के कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समाज के हर वर्ग को संगठन से जोड़ने और अभियान को जन-जन तक पहुँचाने की विस्तृत रणनीति तैयार की गई।

भीलवाड़ा रोड स्थित शुभम दी मॉल के प्रथम तल पर सायं 3:40 बजे शुरू हुई इस बैठक में चित्तौड़गढ़ नगर के दायित्ववान कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में सभी ने अभियान को सफल बनाने और इसे घर-घर तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

'हितचिंतक अभियान' की कार्यप्रणाली पर रखा जोर

बैठक को संबोधित करते हुए प्रांत के धर्म प्रसार प्रमुख एवं चित्तौड़ जिला पालक मुकेश नाहटा ने 'हितचिंतक



अभियान' की कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह विहिप का एक राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क और सदस्यता अभियान है, जिसका मुख्य उद्देश्य हिन्दू समाज को संगठित करना, राष्ट्र और धर्म के प्रति जागरूकता लाना तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को संगठन की विचारधारा और सेवा कार्यों से जोड़ना है। नाहटा ने स्पष्ट किया कि इस अभियान के तहत कार्यकर्ता केवल औपचारिक सदस्यता ही नहीं दिलाएंगे, बल्कि व्यापारी, श्रमिक, किसान, युवा, मातृशक्ति एवं विभिन्न सामाजिक-व्यावसायिक वर्गों के घर-घर और प्रतिष्ठानों तक प्रत्यक्ष संपर्क साधेंगे। विहिप द्वारा किए जा रहे सेवा, सुरक्षा और संस्कार के कार्यों से उन्हें अवगत कराकर 'हितचिंतक' के रूप में जोड़ा जाएगा, ताकि वे राष्ट्र निर्माण व सामाजिक समरसता के इस महायज्ञ में सक्रिय सहभागी बन सकें।

मोहल्ला स्तर पर टोलियों का गठन

बैठक में नगर की प्रत्येक बस्ती और मोहल्ले तक पहुँचने के लिए विशेष टोलियों के गठन और कार्य विभाजन पर भी विस्तार से चर्चा की गई, ताकि कोई भी क्षेत्र अभियान की पहुँच से बाहर न रहे।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

नगर प्रचार प्रमुख संजय खाब्या ने जानकारी देते हुए बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला संयोजक मनोज साहू, जिला सेवा प्रमुख अभिनंदन काबरा, नगर अध्यक्ष बालमुकुंद सोमानी, नगर मंत्री मोहित अरोड़ा, नगर सह मंत्री सुमित हेड़ा, बजरंग दल नगर संयोजक अमन गौड़, धर्म प्रकाश गदिया, लक्ष्मी लाल पायक तथा रघुराज भाटी सहित अन्य दायित्ववान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने चित्तौड़गढ़ नगर में इस अभियान को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने और अधिक से अधिक लोगों को 'हितचिंतक' बनाने का आह्वान किया और इसके लिए कटिबद्ध रहने का संकल्प लिया।

आरएसडब्ल्यूएम फैक्ट्री में काले पानी के टैंक की सफाई के दौरान हादसा, सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

दौसा निवासी दोनों सगे भाइयों की मौत, छोटे भाई को बचाने टैंक में उतरा बड़ा भाई, जहरीली गैस ने दोनों की जान ली

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र की आरएसडब्ल्यूएम फैक्ट्री में काले पानी का टैंक दो सगे भाइयों के लिए मौत का कुआं बन गया। सफाई के दौरान छोटा भाई जहरीली गैस की चपेट में आकर टैंक में बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए बड़ा भाई भी अंदर उतर गया, लेकिन जहरीली गैस ने दोनों की जिंदगी छीन ली। जानकारी के अनुसार आरएसडब्ल्यूएम फैक्ट्री में काले पानी के टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से दो सगे भाइयों की दर्दनाक मौत हो



गई। छोटा भाई टैंक में सफाई के लिए उतरा था। जब काफी देर तक वह बाहर नहीं आया तो अनहोनी की आशंका में बड़ा भाई उसे बचाने के लिए टैंक में उतर गया। अंदर जहरीली गैस के कारण दोनों बेहोश हो गए और बाहर नहीं निकल सके। मृतकों की पहचान दौसा जिले के रामपुरा निवासी रोशन (33) और राजू (31) पुत्र बद्री प्रसाद बैरवा के रूप में हुई है। दोनों भाई ठेकेदार जादू एंटरप्राइजेज के अधीन आरएसडब्ल्यूएम फैक्ट्री में काम करने आए थे। मंगलवार को दोनों को फैक्ट्री परिसर में स्थित काले पानी के टैंक की सफाई का काम सौंपा गया था। बताया जा रहा है कि सफाई कार्य के दौरान पहले छोटा भाई राजू टैंक के अंदर उतरा था, जबकि बड़ा भाई रोशन बाहर खड़ा था। काफी देर तक राजू के बाहर नहीं आने पर रोशन को चिंता हुई। भाई के साथ किसी अनहोनी की आशंका में वह उसे बचाने के लिए खुद भी टैंक के अंदर उतर गया। टैंक में मौजूद जहरीली गैस की चपेट में आने से दोनों भाई अंदर ही अचेत हो गए। टैंक में दोनों भाइयों को अचेत देखकर आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तत्काल दोनों को बाहर निकाला और उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना से फैक्ट्री परिसर में शोक और हड़कंप का माहौल हो गया। घटना के बाद दोनों शवों को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की। पुलिस हादसे के वास्तविक कारणों की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि टैंक की सफाई के दौरान सुरक्षा के निर्धारित इंतजाम किए गए थे या नहीं। जहरीली गैस की मौजूदगी के बावजूद श्रमिकों को टैंक में उतारने से पहले आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाए गए थे या नहीं, यह भी जांच का विषय है।

पुष्कर मेले में भीलवाड़ा के अंकित चन्देरिया को मिला 'बेस्ट वीडियोग्राफर' अवॉर्ड

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (मांडलगढ़) - अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले में भीलवाड़ा जिले का नाम एक बार फिर गौरवान्वित हुआ है। मांडलगढ़ तहसील के मानपुरा गांव के ट्रैवल कंटेंट क्रिएटर अंकित चन्देरिया को उनकी उत्कृष्ट वीडियोग्राफी एवं सिनेमैटिक प्रस्तुतियों के लिए 'बेस्ट वीडियोग्राफर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पुष्कर मेला समिति के अध्यक्ष नवीन परिहार द्वारा प्रदान किया गया। अंकित चन्देरिया की सिनेमैटिक शैली, कहानी कहने का अनोखा अंदाज और पुष्कर मेले की संस्कृति को खूबसूरती से कैमरे में कैद करने की कला को दर्शकों और निर्णायकों ने खूब सराहा। इस उपलब्धि पर खटीक समाज व परिवार की ओर से अंकित को हृदय से आशीर्वाद दिया गया। समाज के लोगों ने कहा कि अंकित हमेशा आगे तरक्की करते रहें और अपने काम से समाज व जिले का नाम रोशन करते रहें। मानपुरा गांव सहित पूरे क्षेत्र में अंकित की इस सफलता पर खुशी का माहौल है।



डीएलसी से 57' कम दाम पर बिका सीपी 28, केडीए की नीलामी पर हंगामा...

पहले बदला भू-उपयोग, फिर घटाया सेटबैक, फिर कौड़ियों में नीलाम

विवेकानंद नगर में CP-w8 की नीलामी पर आपत्तियां, भू-उपयोग और सेटबैक बदलाव पर सवाल

31.87 करोड़ की जमीन 13.64 करोड़ में बिकी, भू-उपयोग और सेटबैक बदलने पर भी उठे सवाल



स्मार्ट हलचल

कोटा। कोटा विकास प्राधिकरण (KDA) की विवेकानंद नगर योजना में बेशकीमती व्यावसायिक भूखंड CP-28 की नीलामी विवादों में घिर गई है। 2655.55 वर्गमीटर के इस कॉर्नर भूखंड की DLC दर के आधार पर कीमत 31.87 करोड़ रुपये आंकी जा रही है, जबकि नीलामी महज 13.64 करोड़ रुपये में हुई। करीब 18.23 करोड़ रुपये के इस अंतर ने नीलामी प्रक्रिया, मूल्यांकन और प्राधिकरण के निर्णयों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भूखंड के भू-उपयोग में बदलाव, फ्रंट सेटबैक घटाने और नीलामी के लिए महज आठ दिन का समय देने को लेकर भी आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, भूखंड की DLC दर 1.20 लाख रुपये प्रति वर्गमीटर है, जबकि नीलामी में इसकी दर 51,350 रुपये प्रति वर्गमीटर रही। यानी जमीन DLC दर से करीब 57 प्रतिशत कम कीमत पर नीलाम हुई। बाजार में इस क्षेत्र की व्यावसायिक जमीन का भाव करीब 12 हजार रुपये प्रति वर्गफीट बताया जा रहा है, जबकि नीलामी दर लगभग 4771 रुपये प्रति वर्गफीट बैठती है। ऐसे में सवाल है कि प्रमुख लोकेशन पर स्थित इतने बड़े भूखंड का मूल्यांकन किस आधार पर किया गया

OCF से व्यावसायिक श्रेणी में कैसे पहुंचा भूखंड

नीलामी पर सबसे अहम आपत्ति भूखंड के भू-उपयोग को लेकर है। पुराने रिकॉर्ड में CP-28 को OCF (अदर कम्युनिटी फैसिलिटीज) श्रेणी में दर्ज बताया गया है, लेकिन नीलामी के लिए इसे व्यावसायिक भूखंड के रूप में प्रस्तुत किया गया। सवाल उठ रहा है कि भू-उपयोग परिवर्तन किस नियम और सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से किया गया इस बदलाव से संबंधित आदेश और प्रक्रिया सार्वजनिक करने की मांग की जा रही है।

12 मीटर का सेटबैक घटाकर 9 मीटर

भूखंड के फ्रंट सेटबैक में बदलाव भी विवाद का दूसरा बड़ा कारण है। पूर्व रिकॉर्ड में फ्रंट सेटबैक 12 मीटर दर्ज था, जिसे 12 नवंबर को जारी नीलामी सूचना में घटाकर 9 मीटर कर दिया गया। आखिर ऐसा क्या कारण था कि नीलामी से ठीक पहले सेटबैक में तीन मीटर की कमी की गई इस बदलाव के तकनीकी और नियोजन संबंधी आधार पर भी स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है।

आठ दिन में पूरी कर दी नीलामी प्रक्रिया

नीलामी के लिए निर्धारित समय-सीमा पर भी सवाल हैं। 12 नवंबर को सूचना जारी कर 20 नवंबर को नीलामी की प्रक्रिया पूरी कर दी गई। इच्छुक बोलीदाताओं को तैयारी और दस्तावेज जुटाने के लिए महज आठ दिन मिले। आपत्तिकर्ताओं का कहना है कि इतनी कम अवधि में व्यापक प्रचार-प्रसार और अधिकतम प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करना मुश्किल था। ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि इतनी कम समय-सीमा तय करने का आधार क्या था।

प्रमुख लोकेशन, फिर भी कीमत पर सवाल

भूखंड के सामने 36 मीटर और साइड में 12 मीटर चौड़ी सड़क है। यह कोटा विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज, बंसल स्कूल, गणेश उद्यान तथा श्रीरामकृष्णपुरम, श्रीनाथपुरम और गणेश नगर जैसी विकसित आवासीय योजनाओं के निकट स्थित है। लोकेशन और व्यावसायिक संभावनाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जा रहे इस भूखंड की नीलामी को लेकर उठे सवालों ने KDA की कार्यप्रणाली को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अब प्राधिकरण से इन सवालों के जवाब मांगे जा रहे हैं कि भूखंड का मूल्यांकन किस आधार पर हुआ, OCF से व्यावसायिक श्रेणी में परिवर्तन की स्वीकृति किसने दी, सेटबैक में बदलाव क्यों किया गया और नीलामी के लिए इतनी कम अवधि क्यों रखी गई। नीलामी से जुड़े दस्तावेज, स्वीकृतियां और मूल्यांकन रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद ही पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

संगीतमय सुंदरकांड पाठ से गूंजा लक्ष्मीनाथ मंदिर, भगवान को अर्पित किया छप्पन भोग



गणेश वंदना से भजन संध्या का आगाज, महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को बांटा प्रसाद

स्मार्ट हलचल

आकोला । बरुंदनी में श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर परिसर में धार्मिक आस्था और भक्ति के माहौल में भजन संध्या एवं संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रकाश ओझा ने गणेश वंदना के साथ किया। उन्होंने 'संग वीर हनुमान देव सारा आवो, रिद्धि-सिद्धि देव साथ में आवो, सालासर वाला हरियो, विघ्न सब दूर करो' भजन की प्रस्तुति देकर भक्तिमय माहौल बना दिया। इसके बाद संगीतमय सुंदरकांड पाठ हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से भाग लिया। इस धार्मिक आयोजन में कालूलाल सुथार, किशन सुथार, हरिओम सुथार, अनिल आशावा, राधाकृष्ण लखारा, गोविंद पालीवाल, गोपाल सुथार, गणेश सारस्वत, लोकश सेन, भंवर अहीर, दुर्गालाल गट्टाणी, राधाकृष्ण प्रजापत एवं मनभर कुम्हार सहित श्रद्धालुओं ने सहयोग किया। बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री लक्ष्मीनाथ भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया गया। पुजारी महावीर पाराशर के सान्निध्य में विधि-विधान से महाआरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पूरा मंदिर परिसर भक्ति संगीत और भगवान के जयकारों से गूंज उठा।

मां गंगा के जल से सनातन एकता का संकल्प, किशनगढ़ में राजावत को भेंट किया गंगाजल



अखिल भारत हिन्दू क्रान्ति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द सोनी ने शुरू की धार्मिक हस्तियों तक गंगाजल पहुंचाने की मुहिम, घर-घर तक अभियान ले जाने का लक्ष्य

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची।

ब्यावर। सनातन संस्कृति की आस्था और परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा 'घर-घर गंगाजल अभियान' अब विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों तक पहुंच रहा है। इसी कड़ी में अखिल भारत हिन्दू क्रान्ति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्द सोनी ने किशनगढ़ पहुंचकर शिवसेना (शिंदे गुट) के राजस्थान राज्य प्रमुख नरेंद्र सिंह राजावत से मुलाकात की और उन्हें मां गंगा का पवित्र गंगाजल भेंट किया। इस दौरान आनन्द सोनी ने कहा कि मां गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, श्रद्धा और सनातन संस्कृति की पहचान हैं। घर-घर गंगाजल पहुंचाने का उद्देश्य प्रत्येक सनातनी परिवार को अपनी धार्मिक विरासत और सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि अभियान के प्रथम चरण में देशभर के मठ-मंदिरों, संत-महात्माओं और सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रमुख व्यक्तित्वों को गंगाजल भेंट किया जा रहा है। इसके बाद अभियान को व्यापक स्वरूप देते हुए घर-घर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नरेंद्र सिंह राजावत ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सनातन संस्कृति और धार्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने वाला सराहनीय प्रयास बताया। आनन्द सोनी ने कहा कि संगठन सनातन संस्कारों के संरक्षण, सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

मालपुरा शहर के वार्ड 32 में विकास कार्यों ने पकड़ी रफ्तार, सड़क चौड़ीकरण और नाला निर्माण शुरू,



अतिक्रमण हटाकर नगरपालिका ने शुरू करवाया निर्माण कार्य-आमजन को आवागमन और जल निकासी की समस्या से मिलेगी राहत

स्मार्ट हलचल

टोंक। मालपुरा शहर के वार्ड संख्या 32 में विकास कार्यों को गति देते हुए नगरपालिका प्रशासन ने सड़क चौड़ीकरण एवं नाला निर्माण का कार्य शुरू करवा दिया है। लंबे समय से प्रस्तावित इन कार्यों के शुरू होने से वार्डवासियों को आवागमन और जल निकासी की समस्याओं से राहत मिलने की उम्मीद है। निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने तथा कार्य को सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए नगरपालिका प्रशासन ने अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए आवश्यक कदम उठाए। नगरपालिका अध्यक्ष जिनेन्द्र मेन्दवास्या के निर्देशानुसार अधिशासी अधिकारी रामजीत चौधरी, एईएन चन्द्रप्रकाश चौधरी, जमादार मंगलेश एवं बजरंग गुर्जर सहित नगरपालिका कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंची और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। सड़क चौड़ीकरण होने से वार्डवासियों एवं राहगीरों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। वहीं नाला निर्माण से जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी तथा बरसाती पानी की निकासी में भी राहत मिलेगी। नगरपालिका अध्यक्ष जिनेन्द्र मेन्दवास्या ने शहर के सभी वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और आमजन की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को गति देने की बात कही। नगरपालिका प्रशासन द्वारा वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं, जिससे शहर की व्यवस्थाओं में सुधार हो सके।

टोंक जिले में कक्षा 9 से 12 तक की अर्धवार्षिक परीक्षाएं 25 नवंबर से होंगी शुरू- 12 दिसंबर तक चलेगा परीक्षा कार्यक्रम,

प्रश्न पत्र पुलिस थानों में रखवाए, परीक्षा से पहले थानों से लाकर होंगे वितरित; निजी विद्यालयों को परीक्षा से आधे घंटे पहले मिलेंगे प्रश्न पत्र

स्मार्ट हलचल

टोंक। राजस्थान राज्य स्तरीय समान परीक्षा योजना के अंतर्गत टोंक जिले में कक्षा 9 से 12 तक की अर्धवार्षिक परीक्षाएं 25 नवंबर 2026 से प्रारंभ होंगी, जो 12 दिसंबर 2026 तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षाओं के सफल, सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर शिक्षा विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि परीक्षा व्यवस्था को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर ली गई हैं। परीक्षा के प्रश्न पत्र संबंधित ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से प्रत्येक पीईईओ एवं यूसीईईओ को वितरित कर दिए गए हैं। प्रश्न पत्रों की गोपनीयता एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें संबंधित पुलिस थानों में सुरक्षित रखवाया गया है। परीक्षा शुरू होने से पूर्व पुलिस थानों से प्रश्न पत्र लाकर परीक्षा आयोजित करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले के समस्त संबंधित विद्यालयों एवं परीक्षा केंद्रों को परीक्षा आयोजन से जुड़े दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्रों की गोपनीयता, परीक्षा की शुचिता एवं अनुशासन बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों पर विद्यार्थियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय-सारणी के अनुसार परीक्षा संचालन के निर्देश दिए गए हैं। निजी विद्यालयों के प्रश्न पत्र संबंधित यूसीईईओ एवं पीईईओ द्वारा परीक्षा प्रारंभ होने से आधा घंटे पूर्व वितरित किए जाएंगे। समस्त संस्था प्रधानों एवं परीक्षा केंद्राधीक्षकों को परीक्षा संबंधी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने तथा परीक्षाओं का सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा विभाग की ओर से विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे अर्धवार्षिक परीक्षाओं की तैयारी पूरी गंभीरता एवं लगन के साथ करें तथा परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से पूर्व पहुंचकर परीक्षा संबंधी सभी निर्देशों की पालना करें।



उदयपुर का बढ़ा मान, भगवान स्वरूप वैष्णव भारतीय क्याकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल

राजस्थान के खेल जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि, उदयपुर को मिला राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व

स्मार्ट हलचल

उदयपुर । उदयपुर एवं सम्पूर्ण राजस्थान के खेल जगत के लिए यह अत्यंत गर्व, सम्मान और हर्ष का विषय है कि राजस्थान क्याकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष भगवान स्वरूप वैष्णव को भारतीय क्याकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में एक्जीक्यूटिव मेंबर (कार्यकारी सदस्य) के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति न केवल श्री वैष्णव की खेल प्रशासन में दीर्घकालिक सेवाओं का सम्मान है, बल्कि राजस्थान में क्याकिंग एवं कैनोइंग खेल की बढ़ती पहचान और प्रभाव का भी प्रतीक है। भारतीय कायाकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन के विधिवत चुनाव 23 नवम्बर 2026 को गुरुग्राम (हरियाणा) में संपन्न हुए, जिसमें प्रशांत कुशवाह पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। इसी अवसर पर संगठन एवं खेल विकास में उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए भगवान



स्वरूप वैष्णव को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। नई कार्यकारिणी का समय 2030 तक रहेगा। श्री वैष्णव पिछले कई वर्षों से राजस्थान में कायाकिंग , कैनोइंग एवं अन्य जल क्रीड़ाओं के विकास हेतु सतत कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में राज्य के अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय सफलताएं अर्जित की हैं। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा खेल संरचना को मजबूत बनाने में उनका योगदान सदैव महत्वपूर्ण रहा है। उल्लेखनीय है कि भगवान स्वरूप वैष्णव वर्ष 2017 में ताइवान में भारतीय कायाकिंग टीम के टीम मैनेजर के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष 2019 में चीन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने भारतीय दल के साथ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। वर्तमान में श्री वैष्णव राजस्थान कायाकिंग एवं कैनोईंग संघ के अध्यक्ष है, खेल प्रबंधन, संगठन निर्माण एवं खिलाड़ियों के हित में उनके समर्पित प्रयासों को देखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान की गई है। इस अवसर पर एशियन कायाकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन तथा भारतीय कायाकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री प्रशांत कुशवाह ने श्री वैष्णव को बधाई देते हुए कहा कि उनके अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं खेल के प्रति समर्पण का लाभ राष्ट्रीय स्तर पर कायाकिंग एवं कैनोइंग खेल को मिलेगा। वहीं भारतीय ड्रैगन बोट महासंघ के चेयरपर्सन एवं राजस्थान कायाकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन के महासचिव श्री दिलीप सिंह चौहान ने इसे राजस्थान के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि श्री वैष्णव की नियुक्ति प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी। भगवान स्वरूप वैष्णव की इस उपलब्धि पर उदयपुर जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल, राजस्थान कायाकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन के संरक्षक डॉ. चंद्रगुप्त चौहान, चेयरमैन अजय अग्रवाल, डॉ महावीर परिहार, डॉ. ललित रेगर, डॉ भूपेन्द्र सिंह चौहान, नवल सिंह चुण्डावत, तुषार मेहता, कमलेश हाथी, महेश पिम्पलकर दीपक गुप्ता, रणवीर सिंह राणावत सहित प्रदेश के अनेक खेल पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों एवं अभिभावकों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

टोंक शहर की बदहाल सड़कों की बदलेगी सूरत-5 करोड़ की लागत से बाड़ा तिराहे से रोडवेज डिपो तक सड़क निर्माण शुरू,

सचिन पायलट के प्रयासों से धरातल पर उतरे विकास कार्य, पूर्व उपमुख्यमंत्री बनवारी लाल बैरवा चौराहे की क्षतिग्रस्त सड़क का कार्य भी जल्द होगा शुरू

स्मार्ट हलचल

टोंक। टोंक जिला मुख्यालय शहर की लंबे समय से बदहाल पड़ी सड़कों की अब काया बदलने जा रही है। शहरवासियों को जल्द ही जर्जर सड़कों से राहत मिलने की उम्मीद है। शहर के प्रमुख मार्ग बाड़ा तिराहे से रोडवेज डिपो तक करीब 5 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण कार्य शुरू हो गया है। वहीं, शहर के पूर्व उपमुख्यमंत्री बनवारी लाल बैरवा चौराहे



की क्षतिग्रस्त सड़क का निर्माण कार्य भी जल्द शुरू होने जा रहा है। नगर परिषद टोंक के पार्षद एवं रेल लाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष अकबर खान ने जानकारी देते हुए बताया कि टोंक शहर की सड़कों की बदहाल स्थिति को सुधारने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं टोंक विधायक सचिन पायलट के प्रयासों से विकास कार्य धरातल पर उतरने लगे हैं। बाड़ा तिराहे से रोडवेज डिपो तक सड़क निर्माण कार्य शुरू होने से शहर के प्रमुख मार्ग पर आवागमन सुगम होगा। उन्होंने बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री बनवारी लाल बैरवा चौराहे की क्षतिग्रस्त सड़क का कार्य भी जल्द शुरू करवाया जाएगा। इन सड़कों के निर्माण से शहरवासियों, वाहन चालकों एवं राहगीरों को बड़ी राहत मिलेगी। अकबर खान ने कहा कि लंबे समय से शहरवासी बदहाल सड़कों की समस्या से परेशान थे। अब सड़क निर्माण कार्य शुरू होने और अन्य क्षतिग्रस्त मार्गों के निर्माण की पहल से टोंक शहर के विकास को नई गति मिलेगी।

चेक अनादरण मामले में पीरूलाल रेगर की अपील खारिज, 12 लाख रुपए जुर्माना और एक साल की सजा बरकरार

अपर सेशन न्यायाधीश न्यायालय संख्या-1 ने अधीनस्थ न्यायालय के फैसले को रखा कायम, जुर्माना अदा नहीं करने पर भुगतनी होगी तीन माह की अतिरिक्त सजा

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। चेक अनादरण के मामले में अपर सेशन न्यायाधीश संख्या-1 चित्तौड़गढ़ के पीठासीन अधिकारी डॉ. शरद कुमार व्यास ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए अभियुक्त पीरूलाल रेगर की अपील खारिज कर दी। न्यायालय ने अधीनस्थ न्यायालय द्वारा सुनाई गई एक वर्ष के साधारण कारावास और 12 लाख रुपए के जुर्माने की सजा को बरकरार रखा है। जुर्माना राशि अदा नहीं करने पर अभियुक्त को तीन माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। प्रकरण के अनुसार, परिवादी संजय सुहालका निवासी चंदेरिया, चित्तौड़गढ़ ने अधिवक्ताओं के माध्यम से अभियुक्त पीरूलाल रेगर निवासी रेगर मोहल्ला, रोलाहेड़ा के विरुद्ध चेक अनादरण का परिवाद न्यायालय में पेश किया था। परिवाद में बताया गया कि अभियुक्त ने परिवादी से सात लाख रुपए उधार लिए थे। इस राशि के पुनर्भुगतान के लिए अभियुक्त ने यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, शाखा चित्तौड़गढ़ के खाते का सात लाख रुपए का चेक जारी किया था। परिवादी द्वारा निर्धारित समय पर चेक बैंक में प्रस्तुत करने पर वह अनादरित हो गया। इसके बाद कानूनी नोटिस दिए जाने के बावजूद अभियुक्त ने बकाया राशि का भुगतान नहीं किया। मामले की सुनवाई के बाद अधीनस्थ न्यायालय ने अभियुक्त पीरूलाल रेगर को चेक अनादरण के अपराध में दोषसिद्ध करते हुए एक वर्ष के साधारण कारावास और 12 लाख रुपए के जुर्माने से दंडित किया था। इस फैसले के विरुद्ध अभियुक्त ने अपील दायर की थी। अपील पर सुनवाई करते हुए अपर सेशन न्यायाधीश संख्या-1 ने अभियुक्त की अपील खारिज कर अधीनस्थ न्यायालय के दोषसिद्धि एवं दंडादेश को पुष्ट किया। न्यायालय ने अपने 2 नवंबर 2026 के निर्णय में पूर्व में सुनाई गई सजा को यथावत रखा। अपील में परिवादी की ओर से अधिवक्ता रत्नेश कुमार जैन (बोहरा), विशाल सिंह भाटी, श्रीमती मोनिका जैन एवं परीक्षित कल ने पैरवी की।

पचाला में नई ग्राम सरकार का आगाज, सरपंच पुष्पेन्द्र बैरवा ने संभाला पदभार,

सड़क, नाली, पानी, बिजली और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना रहेगी प्राथमिकता, 36 कौम को साथ लेकर पंचायत के सभी वार्डों में होगा समान विकास...

स्मार्ट हलचल

टोंक/अलीगढ़। उनियारा पंचायत समिति क्षेत्र की ग्राम पंचायत पचाला में नई ग्राम सरकार का विधिवत आगाज हुआ। मंगलवार को पंचायत भवन में आयोजित समारोह में नवनिर्वाचित सरपंच पुष्पेन्द्र कुमार बैरवा, उपसरपंच पवन कुमार मीणा सहित समस्त वार्ड पंचों ने पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर ग्राम विकास अधिकारी जगमोहन मीणा एवं सहायक सेक्रेटरी कैलाश चंद सैनी ने पदभार ग्रहण की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करवाईं तथा नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं। समारोह में ग्रामीणों एवं प्रबुद्धजनों ने जनप्रतिनिधियों का राजस्थानी साफा और फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। वहीं मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

डीजे के साथ निकाली भव्य धन्यवाद यात्रा



पदभार ग्रहण से पूर्व नवनिर्वाचित सरपंच पुष्पेन्द्र कुमार बैरवा ने अपनी पूरी टीम के साथ ग्रामीणों का आभार जताने के लिए डीजे के साथ भव्य धन्यवाद यात्रा निकाली। यात्रा मुख्य बाजार, सदर बाजार सहित कस्बे के प्रमुख मार्गों से होती हुई ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंची। इस दौरान जगह-जगह ग्रामीणों ने सरपंच, उपसरपंच एवं वार्ड पंचों का फूल-मालाओं से स्वागत किया। यात्रा में महिलाओं, युवाओं और ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला।

36 कौम को साथ लेकर होगा पचाला का चहुंमुखी विकास : पुष्पेन्द्र बैरवा

पदभार ग्रहण करने के बाद सरपंच पुष्पेन्द्र कुमार बैरवा ने कहा कि ग्राम पंचायत पचाला का चहुंमुखी विकास करवाना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। पंचायत के सभी वार्डों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाए जाएंगे। सड़क, नाली, पेयजल, बिजली और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्राथमिकता से काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनके समाधान के प्रयास किए जाएंगे। सभी वार्ड पंचों एवं ग्रामवासियों के सहयोग से 36 कौम को साथ लेकर पचाला को आदर्श ग्राम पंचायत बनाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील भी की।

नई ग्राम सरकार से ग्रामीणों को विकास की उम्मीदें

ग्राम पंचायत पचाला की नई ग्राम सरकार के पदभार ग्रहण करने के साथ ही ग्राम पंचायत पचाला में विकास को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं। ग्रामीणों को अब गांव की सड़क, नाली, पेयजल, बिजली और सफाई जैसी समस्याओं के समाधान की आस है। वहीं सरपंच एवं उनकी पूरी टीम के सामने पंचायत के सभी वार्डों में समान विकास करवाने और ग्रामीणों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जिम्मेदारी रहेगी।

पेट्रोल पंप के लिए खेतों के बीच से 500 फीट लंबी अवैध बिजली लाइन डालने का आरोप

पीड़ित किसान परिवार ने SDM व बिजली निगम अधिकारियों को सौंपा सामूहिक ज्ञापन,

बिलोता तन खसरा नंबर 48 में बिना खातेदारों की सहमति के बिछाई गई Z शेप विद्युत लाइन व आम रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग, पूर्व में जारी HOLD आदेश की अवहेलना कर ट्रांसफार्मर लगाने की तैयारी का लगाया आरोप...

स्मार्ट हलचल



टोंक। उनियारा उपखंड क्षेत्र के अलीगढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बिलोता में हाईवे किनारे खेड़ली के समीप पेट्रोल पंप को विद्युत कनेक्शन देने के लिए एक किसान एवं उसके परिवार की कृषि भूमि के बीच से बिना सहमति करीब 500 फीट लंबी विद्युत लाइन बिछाने का मामला सामने आया है। इसको लेकर पीड़ित किसान परिवार एवं प्रभावित खातेदारों में नाराजगी है। पीड़ित परिवार ने उपखंड अधिकारी (SDM) उनियारा, विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता (XEN) तथा सहायक अभियंता (AEN) को सामूहिक विधिक एवं प्रशासनिक रिमाइंडर प्रार्थना पत्र सौंपकर विद्युत लाइन हटाने, निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने तथा आम रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करवाने की मांग की है। सामूहिक प्रार्थना पत्र में बताया गया कि ग्राम बिलोता तन के खसरा नंबर 48, 46, 33 एवं 45 मुख्य राज्य/राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित हैं। इन खेतों के बीच से करीब 200 फीट लंबा सामूहिक आम रास्ता भी गुजरता है, जिससे किसान अपने कुओं एवं खेतों तक आवागमन करते हैं। पीड़ित परिवार का आरोप है कि विभागीय ठेकेदार एवं विद्युतकर्मियों ने पेट्रोल पंप संचालक के साथ मिलीभगत कर खसरा नंबर 48 के खेतों के बीच से बिना पूर्व सूचना, लिखित सहमति और खातेदारों की NOC के करीब 500 फीट लंबी ओवरहेड विद्युत लाइन बिछा दी। पीड़ित किसान परिवार के अनुसार पेट्रोल पंप संचालक को विद्युत कनेक्शन के लिए केवल 100 फीट भूमिगत (Underground) केबल की आवश्यकता थी, लेकिन इसके बजाय खेतों के बीच से 500 फीट लंबी विद्युत लाइन को Z शेप में निकाला गया है। इससे किसानों की कृषि भूमि प्रभावित होने के साथ खेतों में आवागमन एवं खेती-किसानी के कार्यों में भी परेशानी होने की आशंका है।

झुके बिजली के खंभों से दुर्घटना का खतरा

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि खेतों में लगाए गए बिजली के खंभों पर दो-दो सपोर्ट वायर (Stay Wire) लगाए जाने के बावजूद खंभे अत्यधिक झुक गए हैं। तेज हवा एवं बारिश के दौरान इनके गिरने से दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। वहीं, सामूहिक आम रास्ते के बीच विद्युत पोल खड़े किए जाने से किसानों को ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं कृषि उपकरणों के साथ आवागमन में परेशानी हो रही है।

पूर्व में जारी HOLD आदेश की अवहेलना का आरोप

पीड़ित किसान ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में 23 सितंबर 2026 को भी सामूहिक शिकायत प्रस्तुत की गई थी। इसके बाद AEN उनियारा द्वारा JEN एवं निगम कर्मचारियों को कार्य रोकने (HOLD) के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद मौके पर कथित रूप से चोरी-छिपे ट्रांसफार्मर स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। किसान परिवार ने इसे पूर्व में दिए गए प्रशासनिक निर्देशों की अवहेलना बताते हुए अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

इन मांगों पर कार्रवाई की उठाई मांग

सामूहिक ज्ञापन में किसानों ने मांग की है कि खसरा नंबर 48 सहित प्रभावित खेतों के बीच से बिना सहमति निकाली गई 500 फीट लंबी Z शेप विद्युत लाइन तत्काल हटाई जाए। पेट्रोल पंप को नियमानुसार निर्धारित दूरी तक भूमिगत केबल के माध्यम से विद्युत कनेक्शन दिया जाए। साथ ही सामूहिक आम रास्ते से विद्युत पोल हटाकर रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करवाया जाए। किसानों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाने, पूर्व में जारी HOLD आदेश की पालना सुनिश्चित करने तथा खातेदारों की लिखित सहमति के बिना विद्युत लाइन एवं ट्रांसफार्मर लगाने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि समय रहते कार्रवाई नहीं होने पर किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ गंभीर दुर्घटना एवं विवाद की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। पीड़ित किसान परिवार ने प्रशासन एवं विद्युत निगम के अधिकारियों से मामले में शीघ्र कार्रवाई कर खातेदारों के हितों की रक्षा करने की मांग की है।

कोटा स्टेशन पर नियम पालन पर सख्ती, 22 दिनों में 1032 मामलों में ?6.97 लाख का जुर्माना

वाणिज्य विभाग ने 715, रेलवे सुरक्षा बल ने 301 और मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक ने 16 मामलों में की कार्रवाई

कोटा। कोटा रेलवे स्टेशन पर जन विश्वास अधिनियम, 2026 के प्रावधानों के तहत रेलवे नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। 01 से 22 नवंबर 2026 के दौरान विभिन्न विभागों ने कुल 1032 मामलों में 6,97,345 रुपये का जुर्माना लगाया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि इस अवधि में वाणिज्य विभाग ने 715 मामलों में 5,09,845 रुपये, रेलवे सुरक्षा बल ने 301 मामलों में 1,71,500 रुपये तथा मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक ने 16 मामलों में 16,000 रुपये का जुर्माना लगाया। यात्रियों में नियमों के प्रति जागरूकता के लिए जन विश्वास अधिनियम के तहत विभिन्न उल्लंघनों पर निर्धारित अर्थदंड की जानकारी भी महत्वपूर्ण है। बिना टिकट अथवा निर्धारित दूरी से अधिक यात्रा पर न्यूनतम 500 रुपये, ट्रेन या स्टेशन परिसर में धूम्रपान पर 2,000 रुपये, नशे की हालत में अभद्र व्यवहार पर 1,000 रुपये, महिला आरक्षित डिब्बे अथवा बर्थ में अनधिकृत प्रवेश पर 2,500 रुपये तथा बिना लाइसेंस फेरी लगाने अथवा भीख मांगने पर 2,000 रुपये तक का अर्थदंड लगाया जा सकता है। गंभीर अथवा बार-बार नियम उल्लंघन के मामलों में न्यायालयीन कार्रवाई का भी प्रावधान है। रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म, ट्रैक अथवा ट्रेन में कूड़ा-कचरा फेंकने, थूकने अथवा अन्य प्रकार से गंदगी फैलाने जैसे Anti-littering उल्लंघनों पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। यात्रियों से स्टेशन एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने और निर्धारित कूड़ेदानों का उपयोग करने की अपील की गई है। रेल प्रशासन द्वारा स्टेशन परिसर एवं ट्रेनों में नियमों के पालन, स्वच्छता और अनुशासन को लेकर नियमित निगरानी की जा रही है। इसका उद्देश्य यात्रियों में रेलवे नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ वैध टिकटधारी यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रेल वातावरण उपलब्ध कराना है। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे वैध एवं उचित टिकट लेकर यात्रा करें, स्टेशन एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखें, धूम्रपान न करें, महिला आरक्षित कोच में अनधिकृत प्रवेश न करें तथा रेलवे नियमों का पालन करें।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धा की डुबकी लगाकर महिलाओं ने किया दीपदान,मंदिरों में की पूजा-अर्चना

पवित्र सरोवरों और नदियों में स्नान कर महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की, संतों से लिया आशीर्वाद

स्मार्ट हलचल



टोंक। उनियारा में मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। कार्तिक मास में पूरे महीने स्नान, पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान करने वाली महिलाओं ने पूर्णिमा पर विभिन्न पवित्र सरोवरों और नदियों में आस्था की डुबकी लगाकर दीपदान किया। इस दौरान महिलाओं ने तुलसी माता, भगवान शिव, भगवान विष्णु और माता गंगा की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्तिक पूर्णिमा पर उनियारा शहर की बड़ी संख्या में महिलाएं बीसलपुर, मांडकला, पुष्कर, केशवराय पाटन सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पहुंचीं। महिलाओं ने सुबह जल्दी उठकर पवित्र जल में स्नान किया और धार्मिक परंपराओं के अनुसार दीपदान कर पुण्य अर्जित किया। बड़ी संख्या में महिलाएं बीसलपुर स्थित बीसलदेव महादेव मंदिर पहुंचीं। यहां पवित्र सरोवर में स्नान करने के बाद दीपदान किया तथा आसपास स्थित मंदिरों में भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। वहीं, राम रघुनाथ मंदिर महिला मंडल की महिलाओं ने भी कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर धार्मिक यात्रा की। महिलाओं ने विभिन्न पवित्र स्थलों पर स्नान कर भगवान शिव, भगवान विष्णु और माता गंगा की विशेष पूजा-अर्चना की तथा आरती उतारी। इसके बाद श्रद्धापूर्वक दीपदान किया। जल की लहरों के बीच प्रवाहित होते दीपकों का मनमोहक दृश्य श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान महिलाओं ने संतों के दर्शन कर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया। कार्तिक मास में प्रतिदिन स्नान और पूजा-अर्चना करने वाली महिलाओं के लिए पूर्णिमा का दिन विशेष धार्मिक महत्व रखता है। इस दिन धार्मिक अनुष्ठानों के समापन के साथ महिलाएं परिवार की सुख-शांति और खुशहाली की कामना करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र नदियों एवं सरोवरों में स्नान, दीपदान, जप और दान करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर घरों के आंगन, मंदिरों और तुलसी के पौधों के समीप भी दीप प्रज्वलित किए गए। सुबह से ही धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। कार्तिक पूर्णिमा पर पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया और श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह एवं श्रद्धा के साथ धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया।

बनेठा उप तहसील क्षेत्र में यूरिया-डीएपी खाद की किल्लत से किसान परेशान, सरपंच बोले- हम चुप नहीं बैठेंगे, प्रशासन को दिया 7 दिन का अल्टीमेटम,

बनेठा व आसपास के गांवों में खाद की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से खेती-किसानी प्रभावित, सरपंच यशकरण सैनी के नेतृत्व में किसानों ने नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, मांग पूरी नहीं होने पर एसडीएम कार्यालय पर आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल



टोंक। उनियारा उपखंड क्षेत्र के उप तहसील मुख्यालय बनेठा एवं आसपास के गांवों में यूरिया और डीएपी खाद की कमी से किसान परेशान हैं। खाद की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से किसानों को खेती-किसानी के कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या को लेकर ग्राम पंचायत बनेठा सरपंच यशकरण सैनी के नेतृत्व में किसानों ने बनेठा उपतहसील पहुंचकर नायब तहसीलदार के नाम उनके प्रतिनिधि रामसहाय मीना को ज्ञापन सौंपा तथा प्रशासन से किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया एवं डीएपी खाद उपलब्ध करवाने की मांग की। ज्ञापन में किसानों ने खाद की आपूर्ति व्यवस्था सुचारू करने तथा किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध करवाने की मांग उठाई। इस दौरान किसानों ने कृषि विभाग के अधिकारियों एवं खाद विक्रेताओं (डीलरों) से भी बातचीत कर समस्या का जल्द समाधान करने की बात कही।

प्रशासन को दिया 7 दिन का समय

सरपंच यशकरण सैनी ने प्रशासन को खाद की समस्या के समाधान के लिए सात दिन का समय दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समयावधि में खाद की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो किसानों के हित में एसडीएम कार्यालय पर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान परेशान होगा तो हम चुप नहीं बैठेंगे। किसानों को उनका हक दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है और किसानों को इसके लिए अनावश्यक परेशान नहीं होना चाहिए।

किसानों ने उठाई पर्याप्त खाद उपलब्ध करवाने की मांग

इस दौरान सरपंच यशकरण सैनी के साथ किसान चौथमल, आशाराम, तुलसीराम, कैलाश, रामलाल, विनोद, सत्यनारायण, अशोक, राजेंद्र, नरेश एवं कैलाश सैनी सहित अन्य किसान मौजूद रहे। किसानों ने प्रशासन से यूरिया एवं डीएपी खाद की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करवाने तथा वितरण व्यवस्था में सुधार कर किसानों को राहत प्रदान करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि समस्या का समाधान नहीं होने पर किसान आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बाल-बाल बचे सांसद पप्पू यादव, गड्ढे में गिरी कार



पटना, एजेंसी। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद और कांग्रेस नेता पप्पू यादव के काफिले की एक कार कटिहार में सड़क हादसे का शिकार हो गई। इस दुर्घटना में सांसद पप्पू यादव बाल-बाल बच गए हैं। यह हादसा उस वक्त हुआ जब पप्पू यादव कटिहार के सालमारी में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, कटिहार के कदवा थाना अंतर्गत कुम्हरी पेट्रोल पंप के पास उनके काफिले के साथ सुरक्षा में चल रही पुलिस की गाड़ी अचानक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी सड़क से नीचे उतर गई। इस घटना में काफिले में मौजूद एक पुलिस कर्मी को मामूली चोटें आई हैं। हादसे के बाद सांसद पप्पू यादव ने कुम्हरी से ही पूर्णिया के लिए वापस लौटना उचित समझा और अपना निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कदवा थाना की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और सड़क से नीचे उतरी दुर्घटनाग्रस्त पुलिस वाहन को बाहर निकालने की कार्रवाई की।

काशी में देव दीपावली, 11 लाख दीये जगमगाए

लेजर-ड्रोन शो होगा, 40 देशों से लोग पहुंचे; कहा- आयोजन कल्पना से परे

वाराणसी काशी में देव दीपावली मनाई जा रही है। नमो घाट पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने पहला दीप जलाया। इसके बाद 84 घाटों पर करीब 11 लाख दीये जलाए गए। सभी घाट दीयों की रोशनी से जगमगा रहे हैं। देव दीपावली देखने के लिए 40 देशों से मेहमान काशी पहुंचे हैं। कुल 15 लाख पर्यटक पहुंचे हैं। घाटों पर गंगा आरती, लेजर शो, ड्रोन शो और आतिशबाजी देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर नमो घाट और हरिश्चंद्र घाट तक आकर्षक सजावट की गई है। मसान घाट की सजावट भी लोगों का ध्यान खींच रही है। बबुआ पांडेय घाट पर दीयों से लिखा- 'राधे-राधे कमल खिला दे।' पिछले साल 2025 में 25 लाख दीये जलाए गए थे। विदेशी पर्यटकों ने देव दीपावली की भव्यता की जमकर तारीफ की। कंबोडिया से आईं जेसिका ने कहा- मुझे इतने बड़े उत्सव की उम्मीद नहीं थी। ग्रीस की एलेक्सिया ने कहा- भारत खूबसूरत और आध्यात्मिक देश है। हर किसी को जीवन में कम से कम एक बार काशी जरूर आना चाहिए।

रूपवास और कल्याणपुरा में जमीन में हलचल से ढहे आधा दर्जन कुएं-किसानों को भारी नुकसान,

संभावित भू-स्खलन से कुएं ढहने की घटना, विद्युत मोटर व उपकरण भी मलबे में दबे; पीड़ित किसानों ने मौका निरीक्षण करवाकर सरकारी योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता दिलाने की उठाई मांग

स्मार्ट हलचल



टोंक। उनियारा तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत रूपवास के ग्राम रूपवास, गुदलिया एवं कल्याणपुरा गांव में सोमवार, 23 नवंबर की रात्रि को अचानक जमीन में हलचल होने से आधा दर्जन कुएं ढह गए। घटना का पता तब चला जब किसान मंगलवार सुबह अपने कुएं खेतों पर पहुंचे। सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ ढहे कुंओं को देखने पहुंची। जमीन में हलचल की इस घटना को संभावित भू-स्खलन से जोड़कर देखा जा रहा है। कुओं के ढहने से प्रभावित किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। ग्रामीण जगदीश जाट, भवानी शंकर, रणजीत गुर्जर, रामावतार मीणा, पूर्व सरपंच छोटू लाल मीणा एवं पूर्व सीआर रामप्रसाद सैनी के अनुसार रूपवास गांव में किसान जगदीश चौधरी, रामजीवन, हरकरण, गिर्राज एवं बद्री जाट पांच भाइयों के शामिलात के दो कुएं ढह गए। वहीं, कल्याणपुरा गांव में कन्हैया लाल गुर्जर, रणजीत गुर्जर एवं छीतर गुर्जर के दो कुएं तथा गुदलिया रामावतार मीणा, लादू सिंह आदि के दो कुएं ढहने की सूचना सामने आई है। कुओं के ढहने से उनमें लगे विद्युत उपकरण एवं पानी की मोटरें भी मलबे में दब गईं, जिससे किसानों को दोहरी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। अचानक हुई इस घटना से क्षेत्र के किसानों में चिंता का माहौल है। किसानों का कहना है कि कुएं उनकी खेती और सिंचाई का प्रमुख साधन हैं। ऐसे में कुओं के ढहने से आगामी फसलों की सिंचाई व्यवस्था भी प्रभावित होने की आशंका है। घटना के बाद पीड़ित किसानों ने ग्राम पंचायत सरपंच एवं हल्का पटवारी से सभी ढहे हुए कुओं का मौका निरीक्षण करवाकर वास्तविक नुकसान का आकलन करने की मांग की है। साथ ही प्राकृतिक आपदा राहत, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जीवन धारा योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं के माध्यम से प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता एवं उचित मुआवजा दिलवाने की मांग उठाई है। किसानों ने प्रशासन से शीघ्र मौका निरीक्षण करवाकर नुकसान की रिपोर्ट तैयार करने और पीड़ित परिवारों को राहत प्रदान करने की मांग की है, ताकि किसानों को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई हो सके।

सीएम विजय की अपने सहयोगी दलों के विधायकों के साथ अहम बैठक

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय सोमवार को सहयोगी दलों के विधायकों से मुलाकात करेंगे। सूत्रों के मुताबिक सीएम विजय ग्रीनवेज रोड स्थित अपने आधिकारिक आवास पर भेंट करेंगे, जहां उनका कार्यालय भी है और वे अक्सर अहम बैठकें करते हैं। इस बैठक में मुख्यमंत्री गठबंधन में शामिल विधायकों के साथ परामर्श करेंगे। यह बैठक दोपहर 2 बजे होगी, जिसमें राज्य सरकार का समर्थन करने वाले गैर-टीवीके विधायक शामिल हो सकते हैं। इनमें कांग्रेस, वीसीके, एमडीएमके, आईयूएमएल और वाम दलों के विधायक शामिल हैं। बता दें इससे पहले 1 जुलाई और 9 सितंबर को सीएम विजय की तरफ से बुलाई गई परामर्श बैठकों में वाम दलों सीपीआई और सीपीआई(एम) ने हिस्सा नहीं लिया था।

नोएडा सेक्टर-6 में प्लास्टिक सामान बनाने की कंपनी में भीषण आग

- आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया, कोई जनहानि नहीं

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-6 स्थित एक कंपनी में देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग इसकी चपेट में आ गई। कंपनी में प्लास्टिक से सजावटी सामान बनाने का काम होता है। प्लास्टिक से बने उत्पाद और अन्य सामग्री मौजूद होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। जानकारी के मुताबिक सेक्टर-6 में स्थित निजी कंपनी में देर रात आग लग गई। शुरुआत में कंपनी के अंदर से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। कुछ ही देर में आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया।

नालसा स्पृहा योजना के तहत खेरली रेल की काव्या लाइब्रेरी में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

25 लाभार्थियों को दी कानूनी अधिकारों की जानकारी

स्मार्ट हलचल



कठूमर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर एवं तालुका विधिक सेवा समिति कठूमर के तत्वावधान में मंगलवार को खेरली रेल स्थित काव्या लाइब्रेरी में नालसा स्पृहा योजना 2025 के अंतर्गत विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकार मित्र वीरेंद्र कुमार नूंगरवार ने बंदियों के विधिक अधिकारों, निःशुल्क कानूनी सहायता, गिरफ्तारी एवं निरुद्धि के दौरान मिलने वाली कानूनी सुरक्षा तथा शिकायत निवारण व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में करीब 25 लाभार्थियों ने भाग लिया। अधिकार मित्र नूंगरवार ने बताया कि भारतीय संविधान प्रत्येक व्यक्ति को समानता, स्वतंत्रता और गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार देता है। किसी व्यक्ति के गिरफ्तार होने अथवा जेल में निरुद्ध होने मात्र से उसके मौलिक अधिकार समाप्त नहीं होते। बंदियों को भी सम्मानजनक व्यवहार, निष्पक्ष सुनवाई और न्याय पाने का पूरा अधिकार है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी प्राप्त करना, परिवार के सदस्य या परिचित को गिरफ्तारी की सूचना देना तथा अपनी पसंद के अधिवक्ता से परामर्श लेना गिरफ्तार व्यक्ति के प्रमुख अधिकार हैं। आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है। गिरफ्तार व्यक्ति को निर्धारित समय में मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम में बंदियों के साथ मारपीट, अमानवीय व्यवहार, उत्पीड़न और गैरकानूनी दबाव नहीं बनाने, चिकित्सा सुविधा एवं स्वास्थ्य परीक्षण उपलब्ध कराने तथा अधिकारों के उल्लंघन पर शिकायत दर्ज कराने के प्रावधानों की भी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि यदि किसी बंदी को अधिवक्ता उपलब्ध नहीं है या उसके साथ दुर्व्यवहार हो रहा है तो वह जेल प्रशासन, संबंधित न्यायालय अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समक्ष शिकायत प्रस्तुत कर सकता है। विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित नहीं रहे। अंत में लाभार्थियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की टोल फ्री हेल्पलाइन 15100 की जानकारी देते हुए बताया कि इस पर संपर्क कर पात्र व्यक्ति निःशुल्क कानूनी सहायता एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विधिक जागरूकता ही न्याय प्राप्ति की दिशा में पहला कदम है।

विशेष साक्षात्कार प्रोफेसर डॉ रतन सिंह शेखावत एचजेयू विश्वविद्यालय जयपुर,

स्वतंत्र प्रेस के साये में ही सुरक्षित रहता है लोकतंत्र...

स्मार्ट हलचल

जयपुर। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर में कार्यरत लेखक सहायक प्रोफेसर डॉ. रतन सिंह शेखावत से पीछले हफ्ते हमारे सब एडिटर ने खास बातचीत की राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर स्वतंत्र प्रेस और लोकतंत्र के संबंध में विशेष बातचीत हुई। प्रस्तुत हैं पिछले हफ्ते बातचीत के प्रमुख अंश -

प्रश्नः सर, लोकतंत्र में स्वतंत्र प्रेस का महत्त्व आप किस रूप में देखते हैं?

उत्तरः देखिए, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन का वर्ष 1787 का एक महत्त्वपूर्ण कथन है कि उनको देशहित में सरकार और प्रेस में से एक को चुनना पड़े तो वह प्रेस को चुनेंगे। यह कथन किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्वतंत्र प्रेस के महत्त्व को दर्शाता है। भारत के संदर्भ में भी प्रेस का महत्त्व इस रूप में दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका से अलग नहीं है।

प्रश्नः प्रोफेसर साहब भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की संवैधानिक स्थिति क्या है?

उत्तरः भले ही अमेरिका की तर्ज पर संविधान में प्रेस की स्वतंत्रता के लिए कोई विशेष प्रबंध नहीं किया गया हो, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय



ने कई अवसरों पर प्रेस की स्वतंत्रता की दिशा में अहम फैसले दिए हैं। भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना 1965 में संसद के कानून के जरिए की गई और 16 नवंबर 1966 को इसके विधिवत कार्य प्रारंभ करने के कारण इस दिन को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में याद किया जाता है।

प्रश्नः प्रोफेसर साहब पिछले 60 वर्षों में पत्रकारिता में क्या बदलाव आया है?

उत्तरः पिछले 60 वर्षों में पत्रकारिता का दायरा प्रिंट से बढ़कर टीवी से होता हुआ डिजिटल तक पहुंचकर मीडिया के रूप में लोकप्रिय हो गया है, लेकिन मूल प्रश्न तो अब भी वही है। प्रेस की स्वतंत्रता के मायने हमारे लिए क्या हैं?

प्रश्नः प्रोफेसर साहब क्या स्वतंत्र विचाराभिव्यक्ति केवल लोकतांत्रिक देशों के लिए ही जरूरी है?

उत्तरः ऐसा नहीं है। स्वतंत्र विचाराभिव्यक्ति मूलभूत मानवाधिकारों की श्रेणी में आती है। लेकिन चीन जैसी एक दलीय राज व्यवस्थाओं या अरब देशों जैसी राजशाही या तानाशाही राज व्यवस्थाओं वाले देशों में इसकी उम्मीद उस रूप में नहीं की जा सकती, जितनी लोकतांत्रिक देशों में की जाती है।

प्रश्नः वैश्विक सूचकांकों में भारत की स्थिति को आप कैसे देखते हैं?

उत्तरः रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स जैसे संगठनों की ओर से प्रेस की स्वतंत्रता के वैश्विक आंकड़ों में भारत को तुलनात्मक रूप से निचला स्थान दिया जाता है। यह सही है कि पश्चिमी दबदबे वाले संगठनों में भारत को लेकर दुराग्रह की प्रवृत्ति होती है। लेकिन फिर भी प्रेस दिवस हमारे लिए यह चिंतन करने का अवसर तो देता ही है कि हमारे लोकतंत्र की मजबूती के लिए हम प्रेस की स्वतंत्रता को और अधिक सुनिश्चित कैसे कर सकते हैं?

प्रश्नः आज प्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौतियां क्या हैं?

उत्तरः व्यावसायिक पत्रकारिता के दौर में राजनीतिक या कॉरपोरेट के दबाव प्रेस को झेलने पड़ते हैं, लेकिन फिर भी प्रेस और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुरक्षित करना ही है। भारतीय प्रेस कई मौकों पर नाजुक दौर से गुजरी है। जून 1975 के आपातकाल के दौरान प्रेस पर कड़ी सेंसरशिप लागू की गई। यहां तक कि प्रेस परिषद तक को भंग कर दिया गया था। हालांकि, 1978 से अब तक प्रेस परिषद अपने नए रूप में सुचारू रूप से काम कर रही है। वर्तमान समय में भी मीडियाकर्मियों पर जानलेवा हमले, राजनीतिक और कॉरपोरेट जगत का दबाव जैसे कई ऐसे कारण हैं, जो स्वतंत्र प्रेस के सूचकांक में भारत को बेहतर स्थान हासिल करने से रोकते हैं।

प्रश्नः डिजिटल दौर में स्वतंत्र पत्रकारिता कैसे सुनिश्चित हो?

उत्तरः अब पत्रकारिता का दायरा डिजिटल दौर में प्रेस से कहीं आगे निकल आया है, ऐसे में प्रिंट से लेकर डिजिटल तक स्वतंत्र पत्रकारिता सुनिश्चित करने के लिए किसी व्यापक दायरे वाले स्वतंत्र संगठन की ओर बढ़ना चाहिए। प्रिंट, टीवी, डिजिटल के लिए अलग-अलग संगठनों के साथ 'स्वतंत्र प्रेस' के मूल विचार की रक्षा चुनौतीपूर्ण कार्य है। भारतीय प्रेस परिषद निश्चित रूप से वह संस्था हो सकती है, जो सभी तरह के मीडिया संगठनों में स्वतंत्र पत्रकारिता को प्रोत्साहित कर सकती है।

प्रश्नः प्रेस परिषद की प्रासंगिकता पर सवाल क्यों उठते हैं?

उत्तरः प्रेस परिषद के पास प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए कोई दंडात्मक शक्ति नहीं होने से उसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठते रहे हैं। मीडिया संगठनों को भी आत्मानुशासन को ध्यान में रखते हुए यह तो तय करना ही होगा कि विश्वसनीयता ही उनके वजूद की रक्षा करेगी। यह बात विशेष रूप से बड़े मीडिया घरानों पर ज्यादा लागू होती है।

प्रश्नः अंत में लोकतंत्र के लिए आपका संदेश क्या है?

उत्तरः बेहतर प्रशिक्षित और पेशेवर रवैये वाले मीडियाकर्मी, आर्थिक लाभ के साथ-साथ चौथे स्तंभ के रूप में अपनी भूमिका को महत्त्व देने वाले मीडिया संगठन और नीतियों की आलोचना सहन करने वाली राजसत्ताएं - तीनों मिलकर ही यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि स्वतंत्र प्रेस भारतीय लोकतंत्र को और मजबूत करे। लोकतंत्र के तीनों स्तंभ कार्यपालिका, व्यवस्थापिका और न्यायपालिका को भी एक स्वतंत्र प्रेस से संबल मिलता है और सभी संस्थाएं स्वतंत्र प्रेस के साये में अधिक मजबूत होती हैं।

- बातचीतः ब्यूरो रिपोर्ट, जयपुर
- डॉ. रतन सिंह शेखावत, सहायक प्रोफेसर, हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर

पिकनिक मनाकर लौट रहे दसवीं के छात्र की सड़क हादसे में मौत, घर में मचा कोहराम

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर खड़ी स्कूली बस में ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर, चार छात्रों की मौत और 25 घायल; जहांगीर नगर गहुरा का रहने वाला था अरमान

स्मार्ट हलचल

खखरेरू/फतेहपुर कन्नौज जिले में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में खखरेरू थाना क्षेत्र के एक छात्र की मौत हो गई। पिकनिक मनाकर लौट रही स्कूली बस को सड़क किनारे खड़े होने के दौरान पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में चार छात्रों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक छात्र घायल हो गए। मृतकों में



जहांगीर नगर गहुरा गांव निवासी कक्षा दस का छात्र अरमान (17) भी शामिल है। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई जानकारी के अनुसार कौशांबी जनपद के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की बस करीब 50 छात्र-छात्राओं और विद्यालय स्टाफ समेत लगभग 60 लोगों को लेकर मथुरा और आगरा में पिकनिक मनाने गई थी। मंगलवार रात करीब 12 बजे बस आगरा से कौशांबी के लिए रवाना हुई थी। सुबह लगभग छह बजे कन्नौज जिले के ठठिया थाना क्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बच्चों के शौचालय जाने के लिए बस सड़क किनारे रोकी गई थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कई बच्चे सीटों के बीच फंस गए। हादसे में चार छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक बच्चे घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही संबंधित पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे तथा घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में जान गंवाने वाला अरमान खखरेरू थाना क्षेत्र के जहांगीर नगर गहुरा गांव निवासी रियाज अहमद का पुत्र था। वह कक्षा दस में पढ़ता था। अरमान दो भाइयों में सबसे बड़ा था। उसका छोटा भाई रहमान भी इसी विद्यालय में पढ़ता है, लेकिन वह पिकनिक पर नहीं गया था। अरमान की मौत की खबर सुनते ही मां सोनी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटे की मौत के सदमे में वह बार-बार बेसुध हो जा रही हैं, वहीं पिता रियाज अहमद भी गम में डूबे हैं। परिजन सूचना मिलते ही घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव गांव पहुंचने की उम्मीद है। इसके बाद बुधवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। हादसे की खबर से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

अलवर में 20 दिसंबर से शुरू होगा 14वां युवा खेल सप्ताह

33 खेलों में जुटेंगे करीब 10 हजार खिलाड़ी, मत्स्य गुरु द्रोणाचार्य व खेल रत्न अवार्ड से होंगे सम्मान

युवा खेल विकास समिति व क्रीड़ा भारती अलवर के संयुक्त तत्वावधान में 10 जनवरी 2027 तक चलेगा आयोजन; प्रेस वार्ता में दी गई जानकारी, पंचायत स्तर तक चलेगा 'मैदान कार्यक्रम'

स्मार्ट हलचल

अलवर । युवा खेल विकास समिति एवं क्रीड़ा भारती अलवर के संयुक्त तत्वावधान में 14वें युवा खेल सप्ताह का आयोजन 33 खेलों के साथ किया जा रहा है। इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी दी गई कि यह आयोजन आगामी 20 दिसंबर 2026 से 10 जनवरी 2027 तक चलेगा। समिति के सचिव रजनीश जैमन ने बताया कि प्रतियोगिता में करीब 10,000 खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है, जिनमें अलवर, तिजारा-खैरथल, कोटपूतली-बहरोड, करौली, जयपुर, भरतपुर, दौसा, सवाई माधोपुर, झुंझुनूं, कोटा, सीकर और टोंक सहित विभिन्न जिलों के खिलाड़ी शामिल होंगे।

33 खेलों की होगी प्रतिस्पर्धा, पंचायत स्तर तक चलेगा 'मैदान कार्यक्रम'

सचिव रजनीश जैमन के अनुसार, इस खेल सप्ताह के दौरान कुल 33 खेल आयोजित किए जाएंगे। इनमें स्केटिंग, स्विमिंग, सेपक-टकरा, जूडो, फेंसिंग (तलवारबाजी), एथलेटिक्स, सॉफ्टबॉल, वॉलीबॉल, जिमनास्टिक, हॉकी, फुटबॉल, बॉल बैडमिंटन,



कुश्ती, टेबल-टेनिस, ताइक्वांडो, शूटिंग बॉल, योगा, पावर लिफ्टिंग, वेट लिफ्टिंग, हैंडबॉल, बॉक्सिंग, रग्बी फुटबॉल, रस्साकस्सी, वुशु, बॉडी बिल्डिंग, कराटे, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, आर्चरी, टेनिस क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी और शतरंज शामिल हैं। इसके अलावा आमजन को खेलों से जोड़ने के लिए 'मैदान कार्यक्रम' भी चलाया जाएगा, जिसके तहत लोगों को मैदान में लाकर जोड़ा जाएगा और यह कार्यक्रम पंचायत स्तर तक आयोजित किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक खिलाड़ी व युवा इससे जुड़ सकें। इस कार्यक्रम का संयोजक सीए नितिन अग्रवाल को नियुक्त किया गया है। साथ ही अन्य जिले में 7 दिवसीय निःशुल्क शिविर भी आयोजित किया जाएगा, जिसकी व्यवस्था समिति द्वारा की जाएगी।

मत्स्य गुरु द्रोणाचार्य व खेल रत्न अवार्ड से होगा सम्मान

आयोजन के दौरान खेल प्रतिभाओं और प्रशिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष सम्मान भी दिए जाएंगे। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी तैयार करने वाले 1 कोच को 'मत्स्य गुरु द्रोणाचार्य अवार्ड' तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त करने वाले 2 खिलाड़ियों को 'मत्स्य खेल रत्न अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान युवा खेल विकास समिति अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र शर्मा, क्रीड़ा भारती अध्यक्ष अभिषेक चौधरी, सचिव रजनीश जैमन, मीडिया प्रभारी यश सोमवंशी, कोऑर्डिनेटर हरिओम गुर्जर और सीए नितिन अग्रवाल मौजूद रहे।

कानपुर में लुटेरी दुल्हन गिरोह के 4 फरार सदस्यों की तलाश में छापे जारी, सुराग अब तक नहीं

लुटेरी दुल्हन समेत गोद लेने वाले मां-बाप, सगी मां, मौसी और मौसा पहले ही किया जा चुके गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

कानपुर। लुटेरी दुल्हन गिरोह मामले में पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक कोई सफलता नहीं मिल पाई है। इस मामले में अब तक लुटेरी दुल्हन समेत आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसमें लुटेरी दुल्हन प्रगति के साथ उसे गोद लेने वाले पिता अशोक विश्वकर्मा, मां सीमा और अर्रा केडीए कालोनी में रहने वाली सगी मां सोमवती, मौसी कोमल और मौसा शरद सैनी शामिल हैं। जबकि मौसी ललिता और मामी गोमती विश्वकर्मा अभी भी फरार हैं। उनकी तलाश में लगातार छापे मारे जा रहे हैं। अवगत कराते चलें कि यह गिराह में भोले भाले युवकों को फंसा शादी करवाता था और फिर दुल्हन बनने वाली युवती के माध्यम से लाखों की नगदी जेवरात आदि लेकर रफू चक्कर हो जाती थी। पकड़ी गई लुटेरी दुल्हन अब तक तीन युवकों को शिकार बन चुकी है । इसके पहले कि वह चौथे युवक को भी अपना शिकार बनाने में सफल होती पुलिस ने उसे दबोच लिया था। मिली जानकारी के मुताबिक तीसरी शादी कर 16 लाख के जेवरात और कैश लेकर फरार होने वाली लुटेरी दुल्हन प्रगति विश्वकर्मा चौथे युवक को शिकार बनाने की तैयारी में थी, जिसके साथ वह लिवइन रिलेशनशिप में रह रही थी। वह पुलिस के हत्थे तब चढ़ी ज्ब मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस उसकी लोकेशन तलाशते हुए उसके ठिकाने पर पहुंची थी, जहां वह एक युवक के साथ मिली थी। पूछताछ में युवक ने बताया कि प्रगति करीब चार महीने से उसके साथ लिव-इन में रह रही थी। दोनों जल्द ही शादी करने की प्लानिंग में थे। मतलब यह युवक उसका चौथा शिकार होने वाला था। इसबीच गिरफ्त में आने के बाद पुलिस ने प्रगति के मोबाइल की जांच की तो उसके मोबाइल से तीनों पतियों की फोटो मिली, जिनको उसने अपना शिकार बनाया था। जिसके बाद बर्रा पुलिस ने जूही लाल कालोनी निवासी लुटेरी दुल्हन प्रगति के साथ उसे गोद लेने वाले पिता अशोक विश्वकर्मा, मां सीमा और अर्रा केडीए कालोनी में रहने वाली सगी मां सोमवती, मौसी कोमल और मौसा शरद सैनी को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से अशोक और सीमा रिश्ते में प्रगति के मौसा-मौसी भी हैं। फिलहाल अब पुलिस फरार उसकी एक अन्य मौसी ललिता और मामी गोमती विश्वकर्मा समेत चार लोगों की की तलाश में दबिश दे रही हैं। पुलिस के अनुसार ब्लाक विश्व बैंक निवासी आटो सर्वेयर विशाल विश्वकर्मा की शादी 18 मई 2025 को जूही लाल कालोनी निवासी प्रगति से गोविंद नगर के करन बैंक्वेट हाल में हुई थी। विशाल का आरोप है कि शादी के एक महीने बाद ही 18 जून 2026 को प्रगति करीब 15 लाख रुपये के जेवर और एक लाख रुपये लेकर मायके चली गई थी। काफी तलाश और छानबीन के बाद उसे पता चला कि प्रगति पहले भी दो शादियां कर चुकी है और इसकी जानकारी उससे छिपाई गई। प्रगति की पहली शादी 20 मार्च 2017 को जूही के बारादेवी निवासी सोनू विश्वकर्मा से हुई थी। इसके बाद 23 जून 2017 को उसने इटावा निवासी सुमित बाथम से दूसरी शादी कर ली थी। फिलहाल पुलिस घटना में पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापे मार रही है।

दूसरों के दोष नहीं, पहले अपने भीतर झांकें... यही है सच्ची धर्म-साधना



जैनाचार्य विजयराज महाराज ने प्रवचन में बताईं धर्म की सात उपलब्धियां, आत्मसंयम और पाप कर्मों से बचने का किया आह्वान

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। नवकार भवन में श्री साधुमार्गी शांत क्रांति जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में आयोजित भक्ति समुल्लास वर्षावास प्रवचन श्रृंखला में जैनाचार्य विजयराज महाराज ने धर्म की सात प्रमुख उपलब्धियों का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य केवल धार्मिक क्रियाएं करना नहीं, बल्कि अपने आचरण को शुद्ध बनाकर जीवन में सद्गुणों को अपनाना है। उन्होंने कहा कि धर्म-साधना के लिए स्वस्थ शरीर, निर्मल बुद्धि, उत्साह, अनुशासन, दृढ़ लगन, पाप के प्रति भय और संतों का मार्गदर्शन आवश्यक है। मनुष्य जीवन दूसरों की पीड़ा दूर करने और उनके सुख-स्वास्थ्य के लिए प्रयास करने का अवसर है। दूसरों के कल्याण की भावना रखने से स्वयं का जीवन भी बेहतर बनता है। जैनाचार्य ने कहा कि बिना उत्साह कोई भी कार्य सफल नहीं होता। धर्म के प्रति दृढ़ संकल्प से कठिन बाधाओं को भी पार किया जा सकता है। अज्ञानवश किए गए पाप कर्मों का परिणाम भी दुखदायी होता है, इसलिए जीव हत्या सहित सभी पाप कर्मों से बचना चाहिए। उन्होंने आत्मसंयम का संदेश देते हुए कहा कि पाप करते समय हाथ कांपने चाहिए और पाप का विचार आते ही मन विचलित होना चाहिए। संतों के मार्गदर्शन से धर्म के वास्तविक स्वरूप को समझकर उसे जीवन में उतारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि दूसरों की कमियां तलाशने के बजाय व्यक्ति को अपने दोष सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। यही आत्मकल्याण और सच्ची धर्म-साधना का मार्ग है।

दाधीच समाज कार्यकारणी का गठन : रविन्द्र दाधीच अध्यक्ष, रामकल्याण मंत्री और पंकज दाधीच बने कोषाध्यक्ष

62 सदस्यीय कार्यकारिणी, महिला एवं युवा इकाई को भी मिली नई जिम्मेदारी

स्मार्ट हलचल

कोटा। श्री महर्षि दधीचि छात्रावास समिति, कोटा संभाग की वर्ष 2026-2029 की नई प्रबंध कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। अध्यक्ष पद पर 133 मतों से जीत दर्ज करने वाले रविन्द्र दाधीच ने 62 सदस्यीय कार्यकारिणी घोषित की है। इसमें रामकल्याण दाधीच को मंत्री और चार्टर्ड अकाउंटेंट पंकज दाधीच को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं निमेष पुरोहित को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया है।समिति की महिला इकाई में स्मिता दाधीच को अध्यक्ष, ममता शर्मा को मंत्री और रेखा दाधीच को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं युवा इकाई की कमान अनुराग शर्मा को अध्यक्ष और मुकेश शर्मा को मंत्री के रूप में सौंपी गई है। नई कार्यकारिणी का



कार्यकाल 2026 से 2029 तक रहेगा। नई कार्यकारिणी में राजेश दाधीच (पीपल्दा), रामचरण दाधीच (दुगारी), दुष्यन्त दाधीच (सेवानिवृत्त आरटीएस), गोपाल दाधीच (नृसिंह) और सुनील शर्मा (बूंदी) को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रेम बिहारी दाधीच (सुल्तानपुर), कैप्टन पंकज दाधीच, कमल शर्मा और अमित दाधीच (कोयला) को उपमंत्री बनाया गया है। दीनानाथ दाधीच को कार्यालय मंत्री, रमेश दाधीच (नीमोला) को सांस्कृतिक मंत्री तथा लोकेश दाधीच (एसीई) और बृजेश दाधीच (पाटून्दा) को संगठन मंत्री बनाया गया है। प्रेम शंकर दाधीच (बडौद) को प्रचार-प्रसार मंत्री और लोकेश दाधीच (बूंदी) को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। अश्वत्थामा दाधीच, देवेन्द्र व्यास (भैंसोदा मंडी) और निर्मल दाधीच को भी कार्यकारिणी में जिम्मेदारी दी गई है। समिति की प्रबंध कार्यकारिणी में 25 सदस्यों को स्थान दिया गया है। विधि सलाहकार के रूप में एडवोकेट रामेश्वर दयाल दाधीच, एडवोकेट परमेश्वर दयाल दाधीच, एडवोकेट रामबाबू दाधीच, एडवोकेट बनवारी दाधीच, एडवोकेट अशोक दाधीच (अंता) और एडवोकेट पंकज दाधीच (बूंदी) को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रामनाम की गूंज से नौ दिन राममय होगा ब्यावर, बांकेबिहारी मंदिर में सजेगा कथा का दिव्य दरबार

6 से 14 दिसंबर तक रामकथा महोत्सव, वृंदावन के पुण्डरीकाक्षाचार्य महाराज सुनाएंगे रामचरितमानस के प्रसंग, निम्बार्काचार्य श्रीजी महाराज का मिलेगा सानिध्य

स्मार्ट हलचल । अनिल खीची

ब्यावर। शहर के सूरजपोल गेट बाहर स्थित बांकेबिहारी मंदिर में दिसंबर माह में भक्ति और अध्यात्म की अनूठी छटा देखने को मिलेगी। यहां 6 से 14 दिसंबर तक नौ दिवसीय भव्य रामकथा महोत्सव आयोजित होगा। कथा के माध्यम से श्रद्धालु भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र, त्याग, मर्यादा और आदर्शों का श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित करेंगे। बांकेबिहारी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष माणक डाणी ने बताया कि कथा का आयोजन यजमान शिवकुमार धनंजय गुप्ता परिवार की ओर से किया जा रहा है। वृंदावन से पधार रहे श्रीमद्भागवत कथा, रामकथा एवं वेदांत दर्शन के मर्मज्ञ स्वामी पुण्डरीकाक्षाचार्य महाराज प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से अपनी ओजस्वी एवं मधुर वाणी में कथा का रसपान करवाएंगे। कथा आयोजक शिवकुमार धनंजय गुप्ता ने बताया कि नौ दिवसीय कथा में भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव, चारों भाइयों के नामकरण, विश्वामित्र के साथ मिथिला गमन, सीता स्वयंवर एवं धनुष भंग जैसे प्रसंगों से कथा आगे बढ़ेगी। इसके बाद कैकेयी का कोप, राम वनगमन, भरत मिलाप, सीता हरण, राम-हनुमान मिलन, अशोक वाटिका, लंका दहन, संजीवनी प्रसंग, रामेश्वर स्थापना, रावण वध और भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन तक की संपूर्ण कथा का संगीतमय वर्णन किया जाएगा। जगन्नाथ रथयात्रा प्रमुख विजय तंवर ने बताया कि वर्ष 2025 में श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के दौरान भी स्वामी पुण्डरीकाक्षाचार्य महाराज के मुखारविंद से भक्तमाल कथा श्रवण करने का अवसर शहरवासियों को मिला था। इस बार रामकथा महोत्सव में निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री श्यामशरण देवाचार्य महाराज, निम्बार्क तीर्थ सलेमाबाद का भी पावन सानिध्य प्राप्त होगा। आयोजक परिवार, बांकेबिहारी मंदिर ट्रस्ट एवं जगन्नाथ रथयात्रा समिति के सदस्यों ने शहर सहित आसपास के क्षेत्र के धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर रामकथा श्रवण करने की अपील की है।

कचरावता पंचायत की नवनिर्वाचित सरपंच अभिशिखा मीना ने संभाला पदभार, शिक्षा-स्वास्थ्य और विकास कार्यों को बताया प्राथमिकता,

सातों वार्डों में बिना भेदभाव विकास कराने का लिया संकल्प, ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान का दिया भरोसा

स्मार्ट हलचल

टोंक। उनियारा पंचायत समिति क्षेत्र में ग्राम पंचायत कचरावता की नवनिर्वाचित सरपंच अभिशिखा मीना एवं वार्ड पंचों ने मंगलवार को विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। इस दौरान कार्यवाहक ग्राम विकास अधिकारी मुकुट बिहारी धाकड़ ने पदभार ग्रहण से जुड़ी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करवाईं। ग्रामीणों एवं स्थानीय लोगों ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का स्वागत कर उन्हें



शुभकामनाएं दीं। पदभार ग्रहण समारोह के दौरान उपसरपंच विनोद वर्मा सहित सभी सातों वार्डों के पंच मौजूद रहे। इस अवसर पर सरपंच अभिशिखा मीना ने कहा कि पंचायत का सर्वांगीण विकास उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, नाली, पेयजल, बिजली और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्राथमिकता से कार्य करवाए जाएंगे। नवनिर्वाचित सरपंच ने स्पष्ट किया कि पंचायत के सभी सातों वार्डों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाए जाएंगे। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका जल्द से जल्द समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। पदभार ग्रहण से पहले अभिशिखा मीना ने अपनी कोरम टीम के साथ मतदाताओं एवं ग्रामवासियों का आभार जताने के लिए डीजे के साथ धन्यवाद यात्रा निकाली। कस्बे में जगह-जगह ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से नवनिर्वाचित सरपंच, उपसरपंच विनोद वर्मा एवं वार्ड पंचों का स्वागत किया। इस अवसर पर एलडीसी मुकुट नागर, पूर्व सरपंच सोहनलाल, समाजसेवी लादूलाल सेन सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

मांसी बांध की नहरों में पानी पहुंचा, लेकिन सफाई के दावों की खुली पोल; पानी के बीच खड़े हैं दस-दस फीट लंबे बबूल के पेड़!



स्मार्ट हलचल

पीपलू। मांसी बांध की नहरों में सिंचाई के लिए पानी छोड़े जाने के बाद किसानों को राहत की उम्मीद जगी है, लेकिन नहरों की सफाई को लेकर विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नहरों में पानी के बीच जगह-जगह दस-दस फीट लंबे बबूल के पेड़ खड़े दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में नहरों की सफाई के नाम पर हुई खानापूर्ति की तस्वीर साफ नजर आ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि नहरों की सही तरीके से सफाई की गई होती तो पानी के अंदर इतने बड़े-बड़े बबूल के पेड़ नजर नहीं आते। केवल ऊपर-ऊपर झाड़ियां हटाकर सफाई के नाम पर लीपापोती करना किसानों के साथ अन्याय है। नहरों में झाड़ियां और बबूल के पेड़ होने से पानी के प्रवाह में रुकावट आने तथा जगह-जगह पानी ओवरफ्लो होने की आशंका बनी हुई है। इससे किसानों की फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। अब सवाल यह है कि जब नहरों की सफाई हुई थी तो पानी के अंदर दस-दस फीट लंबे बबूल के पेड़ कैसे खड़े रह गए? संबंधित विभाग इस ओर कब ध्यान देगा?

दूनी नगरपालिका में सीवरेज, पेयजल, सीसी रोड और आधुनिक नंदी गौशाला निर्माण की उठी मांग,

नवनिर्वाचित पार्षदों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भेजा पत्र-नई नगरपालिका की सीमित आय का हवाला देकर विकास कार्यों के लिए मांगा विशेष बजट

स्मार्ट हलचल

टोंक। दूनी तहसील मुख्यालय कस्बे के समग्र विकास और आमजन को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए दूनी नगरपालिका के नवनिर्वाचित पार्षदों ने पहल शुरू कर दी है। पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र भेजकर कस्बे में सीवरेज लाइन बिछाने, पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने, सीसी रोड निर्माण और आधुनिक नंदी गौशाला स्थापित करने की मांग की है। इसके साथ ही नई नगरपालिका होने के कारण सीमित आय के साधनों को देखते हुए विकास



कार्यों के लिए विशेष बजट आवंटित करने की मांग उठाई है।

नई नगरपालिका के विकास के लिए मांगा विशेष बजट

मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में पार्षदों ने बताया कि दूनी हाल ही में नगरपालिका बनी है। ऐसे में निकाय के पास फिलहाल आय के सीमित संसाधन हैं। कस्बे में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने और सुनियोजित विकास सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की ओर से विशेष बजट एवं विकास पैकेज उपलब्ध कराया जाना जरूरी है।

बीसलपुर के पानी की मात्रा बढ़ाने और छह इंच पाइपलाइन की मांग

पार्षदों ने कस्बे में बीसलपुर पेयजल आपूर्ति की मात्रा बढ़ाने की आवश्यकता जताई है। उनका कहना है कि वर्तमान में पानी के कनेक्शन बढ़ने के कारण पुरानी ढाई इंच की पाइपलाइन से कई वार्डों के अंतिम छोर तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। ऐसे में पुरानी पाइपलाइन के स्थान पर कम से कम छह इंच व्यास की नई पाइपलाइन बिछाने की स्वीकृति देने की मांग की गई है, जिससे सभी वार्डों में नियमित और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

सीवरेज लाइन और सीसी रोड निर्माण से मिलेगी राहत

कस्बे में बढ़ती आबादी और जल निकासी की समस्या को देखते हुए सीवरेज लाइन बिछाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। इसके अलावा 15 अक्टूबर 2026 को आयोजित नवनिर्वाचित बोर्ड की प्रथम बैठक में पारित सीसी रोड निर्माण सहित अन्य विकास कार्यों के प्रस्तावों को शीघ्र प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति देने का आग्रह किया गया है। इससे कस्बेवासियों को खराब सड़कों, कीचड़ और आवागमन की परेशानियों से राहत मिल सकेगी।

आधुनिक नंदी गौशाला निर्माण का प्रस्ताव

कस्बे में निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त नंदी गौशाला निर्माण की मांग भी की गई है। पार्षदों का कहना है कि गौशाला बनने से निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय मिलेगा। साथ ही किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान और सड़कों पर गोवंश के कारण होने वाली दुर्घटनाओं में भी कमी लाई जा सकेगी।

इन पार्षदों ने उठाई विकास कार्यों की मांग

मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर विशेष बजट और विकास कार्यों की मांग करने वालों में नवनिर्वाचित पार्षद पूरणवीर सिंह रोझ, लक्ष्मी नरेंद्र मेहरा, अर्चना बडगूजर, नरेंद्र जांगिड़ एडवोकेट, कृष्णा बनवारी बडगूजर, मनभर देवी वर्मा, रामकल्याण सोनी, इन्द्रराज सैनी और पप्पू कर्मावत सहित अन्य पार्षद शामिल हैं।

पार्षदों ने उम्मीद जताई है कि मुख्यमंत्री कस्बे की जनहित से जुड़ी इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए विशेष बजट आवंटित करने के साथ विकास कार्यों को जल्द स्वीकृति प्रदान करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के करावला की फिरणी रोड की बदहाली, जलभराव और गड्ढों ने बढ़ाई लोगों की टेंशन



नईदिल्ली, एजेंसी। करावला गांव की फिरणी वर्षों से बदहाली का दंश झेल रही है। मुख्य करावला रोड से स्टेडियम होते हुए यूइआर-टू को जोड़ने वाली सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हैं और जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण गंदा पानी भरा है।

सड़क की हालत ऐसी है कि राहगीरों को समझ नहीं आता कि गड्ढों से बचकर निकलें या पानी में रास्ता तलाशें। सुबह-शाम व्यस्त रहने वाली इस सड़क से रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीण, नौकरीपेशा लोग और स्कूली बच्चे आवागमन करते हैं। करीब 20 हजार की आबादी वाले करावला गांव की इस सड़क पर एक स्कूल भी है। इस कारण से बच्चों को भी इस सड़क से समस्या है। प्रभावित सड़क का निर्माण सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की ओर से कराया गया था, लेकिन लंबे समय से इसकी मरम्मत नहीं होने से हालत लगातार बिगड़ती जा रही है।

स्थानीय निवासी जोगिंदर माथुर, आनन्द माथुर का कहना है कि इस सड़क के लिए बजट स्वीकृत होने की चर्चा हुई थी। उम्मीद थी कि सड़क की बदहाली दूर होगी, लेकिन सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ। वहीं अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि सिर्फ आश्वासन दिए जाते हैं, सुध लेने वाला कोई नहीं है। इस सड़क के साथ करावला से सुल्तानपुर गांव की ओर जाने वाले मार्ग पर पीडब्ल्यूडी की ओर से बनाया गया बड़ा नाला भी जाम है।

जब इस संबंध में पीडब्ल्यूडी के संबंधित अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। नाले की पूरी तरह सफाई कराई जाएगी और जल्द ही समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा। सड़क की हालत बेहद खराब है। गंदा पानी भरा रहने से लोगों को रोजाना परेशानी होती है। कई बार समस्या सामने रखी गई। लेकिन, अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ है। सड़क और नाले की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। स्कूली बच्चों समेत सभी राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। सड़क का निर्माण और नाले की सफाई जल्द कराई जानी चाहिए। सड़क निर्माण के लिए बजट उपलब्ध नहीं होने के कारण काम नहीं हो पा रहा है। बजट मिलते ही सड़क का निर्माण जल्द कराया जा सकेगा।

दिल्ली नर्सरी एडमिशन: जिसका घर जितना पास, उसे मिलेगा उतना फायदा, मिलेंगे एक्स्ट्रा पॉइंट्स भी



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के निजी स्कूलों में नर्सरी दाखिले की दौड़ शुरू होने से पहले ही अंकों का खेल तेज हो गया है। शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए स्कूलों ने अपने दाखिला फार्मूले तैयार करने शुरू कर दिए हैं। इस बार भी दाखिले में सबसे बड़ा दांव घर से स्कूल की दूरी पर लगेगा। यानी स्कूल के जितने करीब घर होगा, बच्चे के दाखिले की संभावना उतनी ही मजबूत हो सकती है। कई स्कूल नेबरहुड (पड़ोस) को 100 में से 30 से 70 अंक तक देने की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा भाई-बहन और पूर्व छात्र के बच्चों को भी अतिरिक्त अंकों का लाभ मिलेगा। निजी स्कूलों में नर्सरी (बाल वाटिका-1), एलकेजी (बाल वाटिका-2), यूकेजी (बाल वाटिका-3) और पहली कक्षा में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया एक दिसंबर से शुरू होगी। अभिभावक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन कर सकेंगे। स्कूलों को अपने दाखिला मानक और उनके लिए निर्धारित अंक 26 नवंबर तक शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर अपलोड करने हैं।

साउथ दिल्ली वालों को जाम से मिलेगी मुक्ति, साकेत से बदरपुर तक बनेगा 8 किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर



नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ दिल्ली में रोज जाम से गुजरने वालों और घंटों फंसने वालों के लिए अच्छी खबर है। दिल्ली सरकार महरौली-बदरपुर (एमबी) रोड पर 8 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की तैयारी में है। इसमें कुल चार फ्लाईओवर होंगे। इनमें से दो फ्लाईओवर को कैबिनेट से मंजूरी भी मिल चुकी है, बाकी दो पर अभी काम चल रहा है।

एमबी रोड साउथ दिल्ली की सबसे व्यस्त सड़कों में से एक है। साकेत से लेकर बदरपुर तक यहां हर वक्त गाड़ियों का दबाव रहता है। सुबह-शाम तो हालत और खराब हो जाती है। इस नए कॉरिडोर के बनने से साकेत जी-ब्लॉक से बदरपुर तक का सफर आसान हो जाएगा। अंबेडकर नगर, खानपुर, संगम विहार और पुल प्रह्लादपुर की तरफ जाने वाले लोगों को भी फायदा होगा।

पहले फ्लाईओवर का आधा काम पूरा: पहला फ्लाईओवर साकेत जी-ब्लॉक से संगम विहार के बीच बन रहा है। यह करीब 2.4 किलोमीटर लंबा होगा। अधिकारियों का कहना है कि इसका 50 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। खास बात ये है कि यह फ्लाईओवर मेट्रो की अंडरग्राउंड लाइन के ऊपर बन रहा है और इसे डीएमआरसी बना रही है।

दूसरे फ्लाईओवर पर भी शुरू हुआ काम: दूसरा फ्लाईओवर मां आनंदमयी मार्ग से पुल प्रह्लादपुर के बीच बनेगा। यह करीब 2.5 किलोमीटर लंबा होगा। इस पर काम शुरू हो चुका है और पैसा भी मंजूर हो गया है, लेकिन जमीन को लेकर थोड़ी दिक्कत आ रही है। इन दोनों फ्लाईओवर के लिए सरकार ने 1,471 करोड़ रुपये से ज्यादा की मंजूरी दी है।

बाकी दो फ्लाईओवर अभी प्लानिंग में: अभी दो हिस्से बाकी हैं। एक संगम विहार से मां आनंदमयी मार्ग के बीच 2.7 किलोमीटर का फ्लाईओवर और दूसरा पुल प्रह्लादपुर से बदरपुर के बीच 450 मीटर का हिस्सा। इन दोनों के लिए कंसल्टेंट लगा दिए गए हैं। इनकी डीपीआर जनवरी 2027 तक तैयार होने की उम्मीद है। इसके बाद सरकार से पैसे की मंजूरी ली जाएगी।

पेड़ों को काटने से बचने के तलाशेंगे उपाय: सरकार ये भी देख रही है कि इन प्रोजेक्ट्स में कितने पेड़ काटने पड़ेंगे। अधिकारियों का कहना है कि चारों हिस्से पूरे होने के बाद एमबी रोड पर सफर काफी आसान हो जाएगा। साथ ही, प्रोजेक्ट की राह में आने वाले पेड़ों को एक स्थान से उखाड़कर दूसरी जगह पर ले जाने पर भी विचार किया जा सकता है। इससे हरियाली की रक्षा के साथ ही प्रोजेक्ट को भी कामयाब बनाने में मदद मिलेगी।

मुस्लिमों पर आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप, स्वतंत्र भारद्वाज के मामले में कोर्ट ने मांगी पुलिस से रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर कई आपत्तिजनक पोस्ट के मामले में स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ की गई शिकायत पर पटियाला हाउस की मजिस्ट्रेट कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। न्यायिक मजिस्ट्रेट कौतुक भारद्वाज ने दिल्ली पुलिस से की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी। मामले की अगली सुनवाई 8 जनवरी को होगी। आरटीआई कार्यकर्ता की शिकायत में आरोप है कि भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई बार ऐसी आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो और कमेंट्स प्रकाशित व साझा किए, जिनमें मुसलमानों और उनकी धार्मिक प्रथाओं के बारे में अपमानजनक बातें कही गईं।



मजिस्ट्रेट कोर्ट में दायर याचिका में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपराधों का संज्ञान लेने का आग्रह किया गया है। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता फिरोज खान गाजी ने कहा कि ऐसी सामग्री धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के साथ ही सांप्रदायिक नफरत फैला सकती है। मामले से जुड़े डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित रखने का आग्रह भी किया गया है। स्वतंत्र भारद्वाज वर्तमान में एक अन्य मामले में जमानत पर बाहर है। उस पर जंतर-मंतर में पेपर लीक मामले में हुए प्रदर्शनों के दौरान एक दलित छात्रा के पिता पर हमला करने का आरोप है। इस मामले में संसद मार्ग थाने में प्राथमिकी हुई थी।

दिल्ली के लोगों को प्रदूषण से मिली राहत, एक्यूआई 239

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लोगों को प्रदूषण से राहत मिली है। वायु गुणवत्ता में लगातार सुधार दर्ज किया जा रहा है। मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 239 है, जिसे राहत के रूप में देखा जा रहा है। गौर करने वाली बात है कि दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से लगातार एक्यूआई का ग्राफ गिरता जा रहा है। खास बात यह है कि यह एक्यूआई 300 से नीचे ही खिसक रहा है, जिस वजह से दिल्ली के लोग राहत की सांस लेते हुए नजर आ रहे हैं।



सरकार की ओर से किए जा रहे कई प्रयास: इससे पहले, सोमवार को दिल्ली का एक्यूआई 246 दर्ज किया गया था। उधर, सरकार की ओर से भी दिल्ली में वायु गुणवत्ता को सुधारने की दिशा में कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। ध्यान देने वाली बात है कि इन प्रयासों के सकारात्मक नतीजे भी देखने को मिल रहे हैं। यह इन्हीं प्रयासों का नतीजा है कि दिल्ली का एक्यूआई लगातार गिर रहा है।

लोगों को हो रही कई परेशानी: खास बात यह है कि दिल्ली का ग्राफ गिरने से सबसे ज्यादा राहत अगर किसी को मिल रही है, तो वो हैं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोग, क्योंकि प्रदूषित आबोहवा के बीच में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में अगर एक्यूआई का ग्राफ गिरता है, तो ऐसे लोगों को बड़ी राहत मिलती है। दिल्ली हमेशा से ही प्रदूषण को लेकर संवेदनशील क्षेत्र रहा है। हालांकि, प्रशासन की ओर से वायु गुणवत्ता में लगातार सुधार किए जा रहे हैं।

सत्य निकेतन हादसे में 7 मौतों के मामले में पीजी संचालक को झटका, कोर्ट ने खारिज की शुभम त्यागी की जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में सितंबर में हुई इमारत गिरने की घटना में सात लोगों की मौत के मामले में पटियाला हाउस की सत्र अदालत ने पीजी संचालक शुभम त्यागी को जमानत देने से इनकार कर दिया।

एडिशनल सेशन जज धीरेंद्र राणा ने कहा कि त्यागी ने छात्रों और मजदूरों की जान-सुरक्षा से ज्यादा अपने आर्थिक फायदे को तवज्जो दी। कोर्ट ने कहा कि मैं इस दलील से सहमत नहीं हूं कि आरोपित की घटना में कोई भूमिका नहीं थी। वह छात्रों के लिए पीजी चला रहा था। वह अवैध निर्माण के खतरे को आसानी से भांप सकता था, लेकिन उसने मासूम छात्रों की जान से ऊपर अपने फायदे को रखा।

शिवम त्यागी और सह-आरोपित सुधांशु लवनिश कुमार ने मकान मालिक से इमारत किराए पर लेकर हास्टल डेज नाम से बॉयज पीजी चला रखा था। कोर्ट ने कहा कि किराएदार होने के बाद भी वह संपत्ति के कब्जे और नियंत्रण में था। उसने इमारत की स्ट्रक्चरल



सेफ्टी की जांच नहीं की, जबकि बेसमेंट में 10-12 दिन से निर्माण चल रहा था।

कोर्ट ने कहा कि त्यागी खुद कानून का जानकार है, उसे पीजी चलाने के नियम पता होने चाहिए थे। वह छात्रों को खतरे की जानकारी देकर इमारत खाली करा सकता था। कोर्ट ने कहा कि सात कीमती जिंदगियों के लिए जिम्मेदार लोगों को विवेकाधिकार का लाभ नहीं दिया जा सकता और ऐसे मामलों से सख्ती से निपटना होगा।

कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रायल शुरुआती दौर में है और गवाहों को धमकाने की आशंका है। शिवम त्यागी ने 11 सितंबर को सरेंडर किया था। इस हादसे में मलबे से 12 लोगों को निकाला गया था, जिनमें से 7 की मौत हो गई थी।

बुजुर्ग को बेटे-बहू से घर खाली कराने का हक, दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

पलटा DM और डिविजनल कमिश्नर का आदेश



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि किसी वरिष्ठ नागरिक को उसकी इच्छा के विरुद्ध अपने ही घर में बच्चों के साथ रहने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब रिश्ते इतने बिगड़ जाएं कि उसे पुलिस के पास जाना पड़े। अदालत ने 85 वर्षीय बुजुर्ग की याचिका स्वीकार करते हुए उनके बड़े बेटे और बहू को चार हफ्ते में संपत्ति खाली करने का आदेश दिया।

बेदखली की अर्जी खारिज की: न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक अधिनियम के तहत जिलाधिकारी और डिविजनल कमिश्नर के उन आदेशों को रद कर दिया, जिनमें बेदखली की अर्जी खारिज की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने रवि कांत गुप्ता बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में माना है कि मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति से उसके बच्चों को बेदखल करने का आदेश दे सकता है, यदि ऐसा करना बुजुर्ग के भरण-पोषण और सुरक्षा के लिए आवश्यक और उचित हो।

बिना कारण या तर्क के निकाले गए निष्कर्ष को निष्कर्ष नहीं कह सकते: पीठ ने कहा कि अधिकारियों ने बेदखली का आदेश देने से पहले बुजुर्ग से उत्पीड़न के स्पष्ट और ठोस सुबूत मांगे, जबकि 2022 से दर्ज कराई गई उनकी कई पुलिस शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया। बेटों के बीच व्यावसायिक विवाद होने से वरिष्ठ नागरिक की शिकायत झूठी नहीं हो जाती और न ही उन्हें कानून के तहत सुरक्षा देने से इनकार किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि बिना कारण या तर्क के निकाले गए निष्कर्ष को निष्कर्ष नहीं कहा जा सकता।

पत्नी की मौत के बाद बदल गया व्यवहार: याचिकाकर्ता के अनुसार, उन्होंने मकान 1980 में डीडीए से लिया था और 2000 में उसे फ्रीहोल्ड कराया। बड़ा बेटा और बहू 2003 में शादी के बाद से वहां रह रहे थे। पत्नी की नवंबर 2020 में मृत्यु के बाद उनका व्यवहार और बिगड़ गया। आरोप है कि सितंबर 2022 में उन्होंने छोटे बेटे से मारपीट की और उसे धमकाया, जिसके बाद पुलिस में शिकायत की गई।

फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी: बुजुर्ग ने अदालत को बताया कि संपत्ति का पूर्ण मालिक होने के बावजूद वह अपने घर में शांति से नहीं रह पा रहे थे। उन्होंने वरिष्ठ नागरिक अधिनियम के तहत बेटे और बहू को बेदखल करने तथा भरण-पोषण की मांग की थी। जिलाधिकारी ने उनकी अर्जी खारिज की और संभागीय आयुक्त ने भी उस फैसले को बरकरार रखा।

शपथ कराते ही 4:30 मिनट में खत्म हुई सदन की बैठक, दक्षिण जोन में बहुमत में आई भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। साकेत कोर्ट के आदेश के बाद निर्वाचित घोषित हुए पुष्प विहार वार्ड-166 के पार्षद को शपथ कराने के बाद ही सोमवार को सदन की बैठक स्थगित हो गई। महापौर प्रवेश वाही की अध्यक्षता में हुई बैठक में नरेश को शपथ दिलाई गई और इसके तुरंत बाद सदन की कार्यवाही समाप्त कर दी गई।

पूरी बैठक महज चार मिनट 30 सेकंड चली। हालांकि बैठक का कांग्रेस और आप ने बहिष्कार किया और उनके कोई सदस्य नहीं पहुंचे। जबकि भाजपा के पार्षद मौजूद रहे। नरेश के पार्षद बनने से 23 सदस्यों वाले दक्षिणी जोन में भाजपा के 11 पार्षद हो गए हैं। जबकि निगम सदन में 250 में भाजपा के 143 और आप के 98 व कांग्रेस के आठ पार्षद हैं। जबकि एक पद रिक्त है।

वर्ष 2022 के निगम चुनाव में पुष्प विहार वार्ड से आम आदमी पार्टी(आप) के प्रत्याशी अरुण नावरिया ने जीत दर्ज की थी। हालांकि, चुनाव याचिका पर सुनवाई करते हुए स्थानीय अदालत ने उनका निर्वाचन रद कर दिया था। अदालत ने नामांकन पत्र में पुराने आपराधिक मामले में हुई सजा की जानकारी छिपाने को भ्रष्ट आचरण माना।

साथ ही, दूसरे स्थान पर रहे भाजपा प्रत्याशी नरेश को निर्वाचित घोषित किया। इसके बाद राज्य चुनाव आयोग ने अदालत के आदेश के अनुपालन में नरेश को पार्षद घोषित करने की अधिसूचना जारी की। सोमवार को सुबह 10 बजे निगम सदन की विशेष बैठक में महापौर प्रवेश वाही और निगम



आयुक्त संजीव खिरवार की मौजूदगी में नरेश ने शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद बैठक समाप्त हो गई। हालांकि निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने बैठक को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है और 26 नवंबर को सुनवाई होनी है।

भाजपा को आशंका थी कि हाई कोर्ट निचली अदालत के फैसले को पलट सकता है, इसलिए जल्दबाजी में शपथ दिलाई गई। उन्होंने सवाल उठाया कि विशेष बैठक में जनहित के मुद्दों पर चर्चा क्यों नहीं की गई और जनता के लाखों रुपये खर्च कर सदन की कार्यवाही महज साढ़े चार मिनट में क्यों समेट दी गई।



यूरेनिया लेलस: हरे पट्टे वाला और बड़े आकार का पतंगा

यूरेनिया लेलस, जिसे सामान्यतः हरे पट्टे वाला यूरेनिया पतंगा कहा जाता है, दिन के समय उड़ने वाला एक बेहद चमकीला और आकर्षक पतंगा है। अपने चटक रंगों और पंखों की लंबी पूंछ के कारण इसे अक्सर गलती से 'स्वैलोटेल' तितली समझ लिया जाता है।

इस चमकीले हो पड़े वाले पतंग की गिनती दिन में उड़ने वाले पतंगों में होती है। इसका वैज्ञानिक नाम यूरेनिया लेलस है। यूरेनिया का अर्थ होता है स्वर्ग से उतरा हुआ। इसे समुद्र तल से 800 मीटर की ऊंचाई पर नदियों के किनारे बाले वर्षा बनों में देखा जा सकता है। दक्षिण अमेरिका में एंटीज पर्वतों के पूर्व में जिसमें बाजील, उत्तरी बोलीविया, पूर्वी कोलंबिया, फ्रेंच गिनी, पूर्वी पेरु सूरी आदि स्थानों पर देखा जा सकती है। यह एक प्रवासी पतंगा है जी एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवास करता है।

अपेक्षाकृत काफी बड़ा पतंगा है। इसके पंखों का आयाम लगभग 7 सेंटीमीटर नाया गया है। ये इतने बड़े होते हैं कि जंगल में उड़ते समय ऐसा लगता है कि कोई छोटी काले हरे रंग की चिड़िया उड़ रही हो। इनके चार पंख होते हैं। दो अगले पंख और दो पिछले। अगले पंखों के किनमे लगभग मोल होते हैं।

इनके मुख्यतः काले रंग के पंख होते हैं जिन पर हरे पीले रंग के चमकीले खड़े पट्टे बने होते हैं। इनकी आंखों के बीच में ही दो धागे जैसी पहले एंटीना नजर आते हैं, जिनसे ये अपने पर्यावरण से संपर्क रखते हैं। शेष शरीर काला इल्ली नुमा होता है। पिछले पं शानदार रंग लिए जिनके किन्नरे कटे हुए और रिसी तीखे तलवार से नजर आते हैं। पूंछ सफेद तथा पिछले पंख पर ऊपर की और कहीं कहीं चमकीला फीरोजी रंग भी नजर आता है।

ये अपने अंडे केवल ओफेलिया नामक पौधों की पत्तियां पर ही देते हैं। इनसे निकलने वाली इल्लियों इनके पत्तों को ही खाती है।

मुख्य विशेषताएं

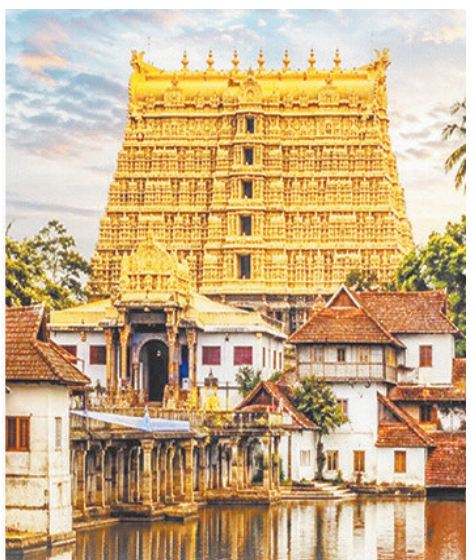
अधिकांश पतंगों के विपरीत, जो रात में सक्रिय होते हैं, यूरेनिया लेलस दिन के उजाले में उड़ता है और अक्सर नदी किनारों पर खनिजों के लिए गीली मिट्टी या चट्टानों पर बैठा देखा जाता है।











देश में कई ऐसे मंदिर हैं जहाँ करोड़ों से लेकर अरबों रूपये तक का सोना भरा है.ये मंदिरों में न केवल अभी बल्कि प्राचीन काल से भी समृद्ध रहें हैं आइये जानें देश के ऐसे कौन से मंदिर हैं जहाँ भरी हैं हीरे जवाहरात से तिजोरियां

ये हैं देश के 10 सबसे अमीर मंदिर

जहाँ भरी हैं हीरे जवाहरात से तिजोरियां

भारत को प्राचीन काल से ही सोने की चिड़िया कहा जाता है देश में कई विदेशी हमले हुए जिन्होंने देश को लूट कर हानि पहुँचाने की कोशिश की लेकिन फिर भी आज देश में अनेक ऐसे मंदिर हैं जहाँ करोंडो से लेकर अरबों रु का सोना और हीरे जवाहरात भरें हैं. देश में ये मंदिर लोगों की आस्था के प्रतीक हैं और हर वर्ष लाखों लोग यहाँ दर्शन करने और अपनी मन्नतों को पूरा करने आते हैं. इन मंदिरों में हर साल लाखों रुपये का चढ़ावा आता है. आइये जानें आखिर देश में ऐसे कौन से मंदिर हैं.

पद्मनाभस्वामी मंदिर



पद्मनाभस्वामी मंदिर देश के सबसे अमीर मंदिरों की सूची में पहले स्थान पर है. ये मंदिर भारत के दक्षिण राज्य केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में स्थित है और भगवान विष्णु को समर्पित है. ये मंदिर वर्ष 2011 से तब चर्चा में आया जब इसके 6 दरवाजों को खोला गया और इन दरवाजों से बेसुमार मात्रा में सोने हीरे और बहुमूल्य जवाहरात मिले जिनकी कीमत लगभग 20 अरब डॉलर आंकी गई है. इस मंदिर के 7 वें दरवाजे को खोलने की अनुमति सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नहीं दी गई है जिसमें अनुमान है कि सबसे अधिक खजाना भरा है. इस मंदिर की देख रेख ट्रावनकोर राज परिवार द्वारा की जाती है. मंदिर के खजाने से बहुमूल्य सोने की मूर्तियाँ, हीरे जवाहरात, 18 फीट लम्बी सोने की जंजीरे, और गहने मिले हैं जिनकी कीमत अरबों रूपये रखी गई है. इस मंदिर के गर्भ ग्रह में भगवान विष्णु की एक सोने की मूर्ति विद्यमान है जिसकी कीमत 500 करोड़ से भी अधिक है.

तिरुपति बालाजी, आंध्रप्रदेश



तिरुपति बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुमाला पर्वत पर स्थित है. देश के सबसे अमीर मंदिरों की सूची में ये दूसरे स्थान पर है. ये मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहाँ भगवान श्री वेंकटेश्वर अपनी पत्नी पद्मावती के साथ निवास करते हैं. ये मंदिर अपने चमत्कारों और रहस्यों के लिए विश्व प्रसिद्ध है. इस मंदिर में प्रति दिन लाखों रूपये का चढ़ावा और हर साल यहाँ लगभग 650 करोड़ रूपये का दान आता है. इस मंदिर के पास लगभग 9 टन सोने के भंडार और 14 हजार करोड़ के फिक्स्ड डिपाजिट हैं.

सिद्धि विनायक, मुंबई



देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में स्थित श्री सिद्धि विनायक मंदिर देश के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है. इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में भक्त और विभिन्न सेलिब्रिटी दर्शनों को आते हैं जो यहाँ बड़ी मात्रा में चढ़ाव चढाते हैं. इस मंदिर में 3.7 किलोग्राम सोने की कोटिंग है, जिसे कोलकाता के एक व्यापारी ने दान स्वरूप करवाई थी. इस मंदिर में हर वर्ष करीब 125 करोड़ का दान आता है.

शिरडी साईं बाबा



शिरडी स्थित साईं बाबा का मंदिर धार्मिक आस्था का एक प्रमुख केंद्र है. यहाँ भी हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं. विभिन्न मिडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस मंदिर के बैंक एकाउंट्स में करीब 380 किलो सोना, 4 हजार किलो चांदी विभिन्न देशों की मुद्राएँ डॉलर और पाउंड बड़ी मात्रा में धन जमा हैं साथ ही यहाँ लगभग 1,800 करोड़ रुपये का कैश भी जमा हैं.

माता वैष्णव देवी मंदिर

माता वैष्णव देवी मंदिर भी भारत के सबसे प्रसिद्ध और अमीर मंदिरों में से एक है. मिडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस मंदिर में हर वर्ष करीब 500 करोड़ रूपये की आय होती है. जिस कारण ये देश के सबसे अमीर मंदिरों में एक प्रमुख स्थान रखता है. इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में देश और दुनिया से श्रद्धालु दर्शनों के लिए आते हैं और अपनी मन्नते पूरी होने पर बड़ी संख्या में दान देते हैं. जम्मू की अर्थव्यवस्था में माता वैष्णव देवी आने वाले भक्तों का एक प्रमुख योगदान है.



जगन्नाथ पुरी, ओडिशा



ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर हिन्दुओं के चार धामों में से एक है. ये मंदिर भगवान विष्णु के 8वें अवतार श्री कृष्णा को समर्पित है. समुद्र किनारे स्थित इस मंदिर के कई चमत्कार हैं जो विश्व प्रसिद्ध है. हर वर्ष लाखों की संख्या में भक्त यहाँ आकर दर्शन करते हैं. विभिन्न मिडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस मंदिर में करीब 100 किलो सोना और चांदी के बहुमूल्य खजाने हैं.

विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी

वाराणसी स्थित भगवान विश्वनाथ का मंदिर विश्व प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है और इस मंदिर के कारण ही वाराणसी या बनारस देश के साथ-साथ विश्व के भी प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में प्रमुख स्थान रखता है.ये मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और इसी कारण इसे शिव की नगरी के नाम से भी जाना जाता है. इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु दर्शनों के लिए आते हैं. इस मंदिर में वर्ष 50 लाख से अधिक देशी और लगभग 2-3 लाख विदेशी पर्यटक आते हैं. इस मंदिर में हर वर्ष 4 से 5 करोड़ रूपये का चढ़ावा आता है. इस मंदिर के 3 गुम्बद हैं जिनमें से 2 में सोने की परत चढ़ी हुई है.



सोमनाथ मंदिर, सौराष्ट्र



गुजरात के सौराष्ट्र स्थित सोमनाथ मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और ये पूर्व से ही देश के सबसे अमीर मंदिरों में से एक रहा है. ये भगवान शिव को समर्पित 11 ज्योतिर्लिंगों में से एक है. विदेशी आक्रमणकारी महमूद गजनवी ने इस मंदिर पर 17 बार हमला कर इसे लुटने की कोशिश की है. कहा जाता है कि गजनवी के आक्रमण के दौरान इस मंदिर की सीढियाँ तक सोने की थीं. इस मंदिर में हर वर्ष लगभग करोड़ों का चढ़ावा आता है.

मीनाक्षी मंदिर मदुरै



दक्षिण भारत में स्थित मीनाक्षी मंदिर देश के उन प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है जहाँ प्रति दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करते हैं. एक अनुमान के अनुसार इस मंदिर में रोज 20 से 30 हजार लोग आते हैं. इस मंदिर में भक्त बड़ी संख्या में दान करते हैं विभिन्न मिडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यहाँ हर वर्ष करीब 6 से 7 करोड़ का चढ़ावा आता है.

सबरीमाला अयप्पा मंदिर

केरल स्थित सबरीमाला अयप्पा मंदिर महिलाओं के जानें पर बैन के कारण चर्चा में था. क्या आप जानते हैं ये देश के सबसे अमीर मंदिरों की लिस्ट में एक प्रमुख स्थान रखता है. इस मंदिर में हर वर्ष करीब 10 करोड़ श्रद्धालु दर्शनों के लिए आते हैं. ये मंदिर ऊँचे पहाड़ों और घने जंगलों के बीच स्थित है. यात्रा के दौरान इस मंदिर में करीब 250 करोड़ का चढ़ावा आता है.





1 लाख 80 हजार साल पुरानी गुफा में है अली बार्बस रेस्त्रां

केन्या के डियानी बीच पर 'अली बाबा रेस्तरां' के नाम से मुख्य रूप से विश्व प्रसिद्ध अली बारबोर का केव रेस्टोरेंट जाना जाता है। यह रेस्टोरेंट जमीन से लगभग 10 मीटर (33 फीट) नीचे एक प्राकृतिक मूंगा गुफा के अंदर बना है, जिसे 1,20,000 से 1,80,000 साल पुराना माना जाता है। गुफा की छत में प्राकृतिक खुले हिस्से हैं, जहाँ से रात में तारों भरा आसमान दिखाई देता है।

केन्या में एक रेस्त्रां है, जिसका नाम है अली बार्बर्स केव रेस्त्रां। इसकी खासियत यह है कि यह करीब 1 लाख 80 हजार साल पुरानी प्राचीन गुफा में मौजूद है। 10 मीटर की गहराई में इस जगह पर भोजन का आनंद लेना वाकई किसी रोमांचक अनुभव से कम नहीं होता। यह केन्या के डियानी बीच पर मौजूद है।

अली बाबा चालीस चोर की तर्ज पर दिया गया है इसका नाम

इस रेस्त्रां को इसकी प्राकृतिक खूबसूरती का ध्यान रखते हुए इंटीरियर किया गया है। शाम के वक्त यहां कैंडल्स लाइट फैल जाती है ताकि नेचुरल फील हो। वैसे गुफाओं में मौजूद छिद्रों से इसके अंदर नेचुरल लाइट प्रवेश करती है। यह एक कोरल केव है। इस रेस्त्रां को 1980 में जॉर्ज एंड जैकी बॉर्बर नामक पति-पत्नी द्वारा स्थापित किया था और उन्होंने अली बाबा चालीस चोर की तर्ज पर इसका यह अनोखा नाम रखा। सिर्फ इसका किचन और बाथरूम ही आधुनिक स्टाइल में रखा गया है। बाकी यहां सब कुछ प्राचीन थीम पर है।

अफ्रीका के मोस्ट रोमांटिक रेस्त्रां का मिल चुका है खिताब

यहां का मेन्यू इंटरनेशनल है और सी फूड यहां की विशेषता है। भारतीय समय के अनुसार यह रेस्त्रां शाम को 6.30 बजे ओपन होता है और यहां स्मार्ट कैजुअल वियर में जा सकते हैं। यहां आपको अपनी सीट रिजर्व करानी होगी। यहां पर करीब 60 मेहमान एक साथ भोजन कर सकते हैं। अन्य रेस्त्रां की तरह यहां पर डांस-डीजे और म्यूजिक भी मिलेगा। यहां पहुंचते ही 100 से भी ज्यादा लालटेन जलते हुए दिखाई देंगे। लैम्यु स्टाइल फर्नीचर पर विशेष तौर पर यहां बैठने की व्यवस्था है। इस रेस्त्रां को अफ्रीका के मोस्ट रोमांटिक रेस्त्रां के खिताब से भी नवाजा जा चुका है।



स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com